mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-220 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

9 अगस्त 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

विनेश फोगाट के ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

सागर के बाद अब एमपी के भिंड में दीवार हादसा

भिंड (एजेंसी)। एमपी के भिंड जिले में एक घर की दीवार गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। दीवार की चपेट में 3 नाबालिग आ गए। जिसके कारण एक 17 साल के नाबालिग की मौत की सूचना आई है। जबकि दो अन्य किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा बुधवार देर

शाम गोरमी के वार्ड 3 का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जिस घर की दीवार गिरी है, वह घर गोरमी के नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रेम सिंह का है। हादसे के वक्त तीनों नाबालिग मौजूद गली से गुजर रहे थे। तभी अचानक भारी भरकम दीवार भरभरा कर उनके ऊपर गिर पड़ी। जिससे तीनों पीड़ित उसकी चपेट में आ गए। आसपास के लोगों में दीवार के गिरने से हड़कंप मच गया।

सामने आई दिल्ली कोचिंग हादसे की मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से हुई 3 छात्रों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट सामने आई है। बुधवार को राजस्व मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में राव आईएएस बेसमेंट के गलत ढंग से उपयोग के आरोप लगाए गए हैं।

जांच में एमसीडी और फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट की लापरवाही भी सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग में हो रहे नियमों के उल्लंघन के बारे में एमसीडी और फायर बिग्रेड डिपार्टमेंट को पहले से जानकारी थी। इसके बाद भी विभागों की तरफ से कार्रवाई नहीं की गई। पिछले साल अगस्त में एक कोचिंग सेंटर में आग लगी थी।

वायनाड लैंडस्लाइड हादसे में 138 लोग अब भी लापता

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में 29 जुलाई की देर रात हुए लैंडस्लाइड में अब भी 138 लोग अब भी लापता हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को लगातार 10वें दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे में अब तक 413 लोगों की मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की

माने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10 अगस्त) को पीड़ितों से मिलने वायनाड जाएंगे। प्रधानमंत्री की स्पेशल फ्लाइट कन्नूर में उतरेगी। कन्नूर से पीएम हेलीकॉप्टर से लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद वह रिलीफ कैंप्स में पीड़ितों से मिलेंगे, जहां 10 हजार से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। मोदी के दौरे को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

वक्फ बिल लोकसभा में पेश

विपक्ष का विरोध

किरेन रिजीजू बोले-बिल का समर्थन कीजिए, करोड़ों लोगों की मिलेगी दुआ

ओवैसी ने जताया विरोध, बोले-केंद्र की मोदी सरकार मुसलमानों की दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश कर दिया। सदन में चर्चा के दौरान रिजिजू ने दावा किया कि इस बिल के जरिए किसी भी धार्मिक बॉडी की स्वतंत्रता में कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया गया है और न ही कोई संविधान का उल्लंघन हो रहा है। इस नए बिल में हक छीनने की बात तो छोड़ दीजिए, बल्कि जिनको हक नहीं मिला है, उनको यह बिल हक दिलाता है। मुस्लिमों की महिलाओं, बच्चों और पिछड़ों को जगह देने के लिए सरकार वक्फ बिल लेकर आई है। उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष से अपील की कि वे बिल का समर्थन करें, इससे उन्हें करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा,यह अमेंडमेंट (वक्फ संशोधन बिल) सरकार सदन में ला रही है। आपने जो चाहा, वह नहीं कर सके, इसलिए सरकार अमेंडमेंट लेकर आ रही है। इस बिल का समर्थन कीजिए, करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी। चंद लोगों ने पूरे वक्फ बोर्ड पर कब्जा करके रखा है। मुस्लिम लोगों को जो इंसाफ नहीं मिला है, उसे सही करने के लिए यह बिल लाया गया है। इतिहास में दर्ज होगा कि इस बिल पर किसने समर्थन किया और किसने विरोध किया। इसीलिए बिल का विरोध करने से पहले सोचिएगा करोड़ों गरीब मुस्लिमों के बारे में। किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि हमसे पहले कांग्रेस के जमाने में भी कई कमेटियों में इसका विवरण किया गया है। 1976 में वक्फ रिपोर्ट पेश की गई थी, उसमें भी कई सुधारों की बात कही गई थी। बता दें कि विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है।

मुझे चुनौती दी जा रही है,मैं दुखी मन से जा रहा हूं

● राज्यसभा में जगदीप धनखड़ ने विपक्ष को लगाई लताड़ ● विनेश फोगाट के मुद्दे पर हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ विपक्ष के व्यवहार से इतने आहत दिखे कि कुर्सी छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर विपक्ष चिट्ठी के जरिए, अखबारों के जरिए, आरोपों के जरिए हमले कर रहा है। उन्हें लगता है कि मैं इस पद के काबिल नहीं हूं, इसलिए कुछ समय के लिए मैं इस कुर्सी छोड़कर जा रहा हूं। उन्होंने इसी दौरान सदन में मौजूद कांग्रेस नेता जयराम रमेश को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मिस्टर रमेश आप हंसिए मत, मैं आपको जानता हूं। जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना, अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौती पूर्ण वातावरण करना, ये अर्मायदित आचरण नहीं, ये हर सीमा को लांघने वाला आचरण है। ये सदन इस समय प्रतिपक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में देख रही है, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी सदन के सदस्य हैं। धनखड़ ने कहा कि जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा अखबार के माध्यम से, एक प्रमुख अखबार ने इतनी गलत टिप्पणी की है। मैंने देखा है।

असम में अब बाल विवाह रोकने के लिए नई योजना

● हर महीने छात्राओं को मिलेंगे 1000 से 2500 रुपए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाल विवाह को रोकने की दिशा में बीजेपी सरकार ने गुरुवार को एक योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने योजना का शुभारंभ किया है। मुख्यमंत्री निजीत मोइना असोनी योजना के तहत ग्यारहवीं से लेकर स्नातकोत्तर तक की छात्राओं के बैंक अकाउंट में हर महीने 1000 से 2500 रुपए भेजे जाएंगे। योजना में लगभग 10 लाख छात्राओं को शामिल किया जाएगा और पहले साल में इस पर 300 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। वहीं पांच साल की अवधि में लगभग 1500 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। योजना के तहत 10वीं कक्षा पास करने वाली और 11वीं कक्षा में दाखिला लेने वाली छात्राओं को 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा पूरी करने तक दो साल तक 1000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। सरमा ने कहा कि यह राशि हर महीने की 11 तारीख को उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी। 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा पूरी करने वाली और डिग्री कोर्स में दाखिला लेने वाली लड़कियों को स्नातक की पढ़ाई पूरी करने तक अगले तीन/चार साल तक हर महीने 1250 रुपये मिलेंगे। वहीं स्नातकोत्तर और बीएड कोर्स में दाखिला लेने वाली छात्राओं को अपने कोर्स खत्म होने तक 2500 रुपये प्रति माह मिलेंगे।

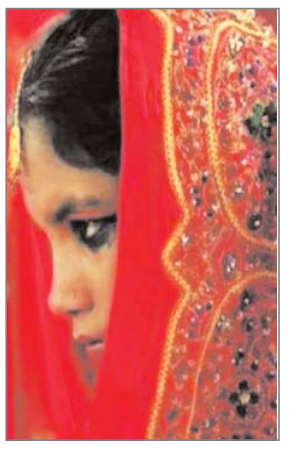

सरमा ने कहा कि इस योजना से उन अभिभावकों पर बोझ कम होगा जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों को नहीं पढ़ा पाते हैं। मौजूदा योजना का लाभ सभी लोग उठा सकते हैं चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस योजना की जमकर तारीफ की है।

बाहुबली की बेगम के सामने लालू फैमिली का सरेंडर!

● मिशन 2025 की जंग के लिए कुछ भी करेंगे तेजस्वी ● हिना शहाब से की मुलाकात,की उन्हें मनाने की कोशिश

पटना/सीवान (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के समर में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इसके पहले चरण में लालू यादव के नेतृत्व में डैमेज कंट्रोल अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान में वैसे नाराज नेता की सूची बना ली गई है, जिनका राजनीति में एक खास दबदबा है। इसकी शुरुआत सीवान के सांसद रहे शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब से हुई। वैसे इस कड़ी में कई और नेता शामिल हैं, जिन्हें घर वापसी के लिए मनाए जाने का प्रयास किया जाना है। मिली

जानकारी के अनुसार कल यानी 7 जुलाई को दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब से राजद सुप्रीमो के साथ उनके छोटे बेटे और पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव ने भी मुलाकात की। यह मुलाकात राजद के विधायक विनोद जायसवाल के आवास पर हुई। जाहिर है विनोद जायसवाल ने यहां मध्यस्थता कर सुलह कराने की कोशिश की। दरअसल, हिना के निर्दलीय चुनाव लड़ने से न केवल सीवान लोकसभा से हाथ धोना पड़ा, बल्कि इसको लेकर शहाबुद्दीन के समर्थक भी नाराज थे।

‘अस्त’ हुआ पश्चिम बंगाल का आखिरी वामपंथी सीएम

● प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज की पेशकश को भी ठुकराया

बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन, इन्हीं के सामने ढहा ‘लालकिला’

फिर 770 स्वॉयर फुट के दो कमरे में गुजार दी अपनी जिंदगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के आखिरी वामपंथी मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य अब नहीं रहे। भट्टाचार्य उन शीर्ष नेताओं में शुमार रहे, जो भारत में वामपंथ की विचारधारा का सूर्योदय और सूर्यास्त के साक्षी रहे। विचारधारा के पक्के बुद्धदेव भट्टाचार्य के 11 साल के कार्यकाल में ममता बनर्जी को बंगाल में फलने-फूलने का राजनीतिक मौका मिला। उन्होंने बंगाल के औद्योगीकरण की कोशिश की। सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन हुए, फिर टीएमसी के हाथ में सत्ता चली गई। 2011 में उन्होंने

वाम का गढ़ माने जाने वाले पश्चिम बंगाल में ‘लाल किला’ को ढहते हुए भी देखा। इस हार के बाद उन्हें बंगाल का मिखाइल गोर्वाचेव भी कहा जाने लगा।

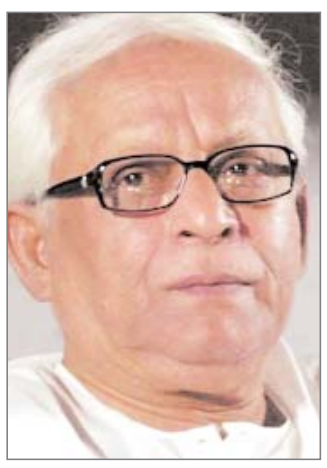

इसे विचारधारा के प्रति निष्ठा मानें या जिद, बुद्धदेव भट्टाचार्य सत्ता में रहने के बाद भी कभी शान ओ शौकत और व्यक्तिगत हितों के लिए ताकत की नुमाइश नहीं की। सत्ता से हटने के बाद भी वह डगमगाते नहीं दिखे। 2022 में उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से नामित करने बाद देश के प्रतिष्ठित सम्मान पद्म विभूषण लेने से इनकार कर दिया था।

इसके अलावा बुद्धदेब भट्टाचार्य से जुड़े कई किस्से मशहूर हैं, जो बताते हैं कि उन्होंने सत्ता में रहने और बाहर होने के बाद भी वैचारिक प्रतिबद्धता पर अपनी जिंदगी में पूरी तरह अमल किया। मंत्री और सीएम रहने के बाद भी उनके पास न तो लाखों की दौलत थी और न ही कार। अपनी सैलरी वह पार्टी फंड में देते रहे और परिवार का खर्च पार्टी चलाता रहा। उनका अंतिम समय भी दक्षिण कोलकाता के पाम एवेन्यू के पुराने 770 स्क्वॉयर फुट के दो कमरों वाले फ्लैट में ही बीता। पिछले पांच साल से वह बीमारी से जूझ रहे थे। लेकिन प्राइवेट हॉस्पिटल भेजने की पेशकश नहीं मानी।

महाराष्ट्र-गुजरात से 831 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

● एटीएस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया, आतंकी लंबा जागने के लिए यह ड्रग्स लेते हैं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। ञस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एटीएस के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 800 करोड़ रुपए के करीब है। वहीं गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में भी कार्रवाई के दौरान 31 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ट्रामाडोल जब्त की गई है। 2018 में ट्रामाडोल ड्रग्स को भारत सरकार ने बैन कर दिया था। ड्रग के भारी मात्रा में टेरर ग्रुप तक सप्लाई होने की जानकारी के बाद यह फैसला लिया गया था। ट्रामाडोल को फाइटर ड्रग्स के नाम से भी जाना जाता है। इसका आतंकवादी लंबे समय तक जागने के लिए लेते हैं। डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि एक विशेष सूचना के आधार पर एटीएस ने कार्रवाई की।

रेसलर अंतिम पंघल पर ऐक्शन, पेरिस छोड़ने का आदेश

अपने कार्ड पर बहन को ओलंपिक खेल गांव में घुसाया,पकड़े जाने पर खुलासा

पानीपत (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में हरियाणा की पहलवान अंतिम पंघल और उनकी बहन विवादों में फंस गई। दोनों को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और यहां बयान दर्ज किए गए। इसके बाद दोनों को ही तुरंत पेरिस छोड़ने का आदेश दिया गया। दरअसल, अंतिम महिलाओं की 53 किग्रा कैटेगरी में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद पेरिस ओलिंपिक से बाहर हो गई और होटल चली गई। जहां उनके कोच विकास और भगत सिंह भी ठहरे हुए थे। अंतिम ने बहन को अपना आई कार्ड देकर खेल गांव जाकर अपना सामान लाने के लिए कहा। उनकी बहन खेल गांव में घुसने में कामयाब हो गई, लेकिन उन्हें बाहर निकलते समय सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया। उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया। 19 साल की जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अंतिम को भी पुलिस ने अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया।

विनेश फोगाट को 4 करोड़-सरकारी नौकरी देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक 2024 में 50 किलोग्राम फ्री स्टाइल कुश्ती वर्ग से बाहर होने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उनके लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा– हमारी सरकार ने फैसला किया है कि विनेश फोगाट का पदक विजेता की तरह स्वागत और सम्मान किया जाएगा। हरियाणा सरकार सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को 4 करोड़ कैश और सरकारी नौकरी देती है। हरियाणा सरकार ने पिछले दिनों ऐलान किया था कि पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को इनाम राशि दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत एवं नगरीय निकाय उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 11 सितंबर 2024 को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन के लिये निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 21 अगस्त से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 28 अगस्त तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 29 अगस्त को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की तारीख 31 अगस्त है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा। त्रि-स्तरीय पंचायतों में मतदान सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। नगरीय निकायों में मतदान सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद की जाएगी। सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के लिये ईवीएम से की जाने वाली मतगणना विकासखण्ड मुख्यालय पर 15 सितम्बर को सुबह 8 बजे से होगी। परिणाम भी 15 सितंबर को ही घोषित किये जायेंगे। नगरीय निकायों में मतगणना एवं निर्वाचन परिणामों की घोषणा 13 सितंबर को सुबह 9 बजे से होगी। उप निर्वाचन में 5344 पंच, 34 सरपंच और 4 जनपद पंचायत सदस्य के लिये मतदान होगा। इसी तरह नगरीय निकायों में 13 पार्षदों के लिये मतदान होगा।

ऊर्जा मंत्री तोमर के निर्देश पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी के प्रबंधन ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगलिया (खंडवा) में मटेरियल सप्लाई में हुई गड़बड़ी पर एक कार्यपालन अभियंता, दो सहायक अभियंता एक सुरक्षा कर्मचारी को निलंबित कर दिया है। पिछले दिनों संज्ञान में आया था कि श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में की गई मटेरियल सप्लाई के बॉक्स में स्क्रेप मिला था। पावर जनरेटिंग कंपनी ने इस बात को गंभीर मानते हुए त्वरित रूप से जांच करने के लिए मुख्यालय जबलपुर से चार सदस्यों की एक समिति गठित की। समिति ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में जाकर प्राथमिक जांच कर अपनी रिपोर्ट कंपनी प्रबंधन को सौंपी। समिति द्वारा प्रस्तुत किये गए जाँच प्रतिवेदन के आधार पर पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गयी है। कंपनी प्रबंधन द्वारा विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर मटेरियल सप्लाई करने वाली फर्म मेसर्स क्रिशिव पावर बिरसिंगपुर के विरूद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी द्वारा फर्म को दिये गए आदेशों के परिपालन को तुरंत प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पावर जनरेटिंग कम्पनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह को कंपनी को नुकसान पहुंचाने वाले अभियंताओं, कर्मचारियों, सप्लायर व ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

14 अगस्त से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, 3 सितंबर को होगा मतदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश सहित 9 राज्यों में होने वाले राज्यसभा निर्वाचन को लेकर बुधवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्यसभा चुनाव के लिए प्रदेश में 14 अगस्त से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। श्री राजन ने बताया कि 22 अगस्त को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 26 अगस्त है। मतदान 3 सितंबर को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा। मतगणना एवं परिणाम की घोषणा भी इसी दिन की जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में समेकित छात्रवृति योजना जिसमें 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृति प्रदान की जा रही है। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों की छात्रवृति नियत समय पर हो सके इसके लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है। शिक्षा पोर्टल पर सत्र प्रारंभ होने से ही सभी शासकीय और प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों का नामांकन कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश भर में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन 10 अगस्त तक अनिवार्य रूप से किये जाने के निर्देश विद्यालयों को दिये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि विद्यार्थियों का प्रोफाइल अपडेशन प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी अनिवार्य रूप से किया जाये। प्रोफाइल में दर्ज जानकारी के अनुसार ही विद्यार्थियों को छात्रवृति और योजना का लाभ दिया जाता है। प्रोफाइल अपडेट करने की सुविधा शिक्षकों की यूनिक आईडी एवं बीआरसीसी स्तर पर प्रदाय किये गये यूजर पर दी गई है। शालाओं से कहा गया है कि अपडेशन कार्य में विद्यार्थियों के मोबाईल नंबर और बैंक एकॉउन्ट की गहनता से जांच कर प्रविष्टी की जाय

गुड गवर्नेंस जिनका डायरेक्ट इम्पेक्ट पब्लिक पर हो ऐसे मुद्दे शामिल किये जाये-ममतानी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी ने आयोग के 30वें स्थापना दिवस 13 सितम्बर, 2024 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में %%नगरीय सुशासन-मानव अधिकार%% विषय पर आधारित विभिन्न मुद्दों पर प्रारम्भिक चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस जिनका डायरेक्ट इमपेक्ट पब्लिक पर हो ऐसे मुद्दे शामिल किये जायें। उन्होंने कहा कि जो सुशासन पर विपरित प्रभार डालते है, उनको कैसे दूर किया जायें, जनसामान्य की नित प्रतिदिन की मूलभूत समस्याओं का निदान कैसे किया जा सकें। इस पर अमल किया जायें। बैठक में आयोग के सदस्य श्री राजीव कुमार टण्डन भी उपस्थित थे। आयोग अध्यक्ष श्री ममतानी ने बैठक में कहा कि विशेष रूप से आवारा कुत्तों /जानवरों, स्वाच्छ पेयजल, स्मार्ट सिटी, अतिक्रमण विभिन्न विभागों के इंटीग्रेशन, शव वाहन, रेन बसेरा जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में उनके विभागों के प्रयासों एवं उसके परिणामों को उजागर किया जा सकें। इससे जनसामान्य में योजनाओं की जानकारी मिल सकें और वे उसका लाभ ले सकें। आयोग के प्रभारी सचिव श्री गोयल ने सभी उपस्थित अधिकारियों को कहा कि आयोग के आगामी 30वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में समन्वय के लिए वह अपने विभाग से किसी वरिष्ठ अधिकारी को नोडल अधिकारी नामांकित कर आयोग को शीघ्र नाम/पदनाम सहित सूचित करें। इस संबंध में पुनः बैठक आयोग के सभाकक्ष में 20 अगस्त, 2024 को रखी गई है। बैठक में प्रारंभिक चर्चा के अनुसार विस्तृत जानकारी के साथ उपस्थित रहें। बैठक में नगर एवं ग्राम निवेश संयुक्त वायपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेशषण संस्थासन के कन्सलटेंट श्री चिन्मय सक्सेना और आयोग के प्रभारी सचिव एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री अशोक गोयल एवं आयोग के वरिष्ठ अधिकारि उपस्थित थे।

गैस राहत अस्पतालों में हो रहा है 252 प्रकार की दवाइयों का निःशुल्क वितरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास विभाग द्वारा गैस पीड़ितों के उपचार के लिये 6 अस्पताल, 9 डे-केयर सेन्टर्स सहित 3-3 आयुर्वेदिक, हौम्योपैथी एवं यूनानी औषधालय संचालित किये जा रहे हैं। गैस राहत अस्पतलों में दवाई वितरण के लिये विभाग द्वारा पुख्ता व्यवस्थायें की गई है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल निःशुल्क औषधि वितरण योजना के तहत सभी गैस राहत अस्पतालों में इलाज के लिये आने वाले मरीजों को 252 प्रकार की दवाइयां निःशुल्क वितरित की जा रही हैं। गैस पीड़ितों को घर पहुँच एम्बुलेन्स सेवा की सु?विधा भी दी जा रही है। गैस पीड़ित कोई भी मरीज 108 इमरजेन्सी नंबर डायल कर घर से अस्पताल आने एवं वापस घर जाने के लिये इस एम्बुलेन्स सेवा का निःशुल्क लाभ ले सकते हैं। गैस राहत अस्तपालों में भर्ती मरीजों को नियमानुसार उपलब्ध आहार भी हर दिन निःशुल्क दिया जा रहा है। बीमारी के समुचित उपचार के लिये अब तक 92 हजार 978 गैस पीड़ितों की स्वास्थ्य पुस्तिकाएँ भी विभाग द्वारा तैयार कर ली गयीं हैं। संचालक, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास ने बताया कि गत वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 472 गैस पीड़ित कैंसर मरीजों को निजी चिकित्सालय-जवाहरलाल नेहरू कैंसर चिकित्सालय, ईदगाह हिल्स, भोपाल, चिरायु मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, बैरागढ़, भोपाल एवं नवोदय कैंसर चिकित्सालय, एमपी नगर, भोपाल में उपचार के लिये रेफर किया गया। इस उपचार पर होने वाले खर्च की प्रतिपूर्ति गैस राहत विभाग द्वारा की जाती है। गत वित्तीय वर्ष में 20 करोड़ रूपये का भुगतान कैंसर मरीजों की जांच एवं उपचार के लिये किया गया। गैस पीड़ित कैंसर मरीजों के इलाज खर्च की प्रतिपूर्ति की व्यवस्था 1998 से प्रारंभ हुई। गत वित्तीय वर्ष में 6 हजार 138 गैस पीड़ित कैंसर मरीज इस व्यवस्था से लाभान्वित हो चुके हैं। इस पर कुल 146 करोड़ 99 लाख रूपये खर्च किये गये।

लोक निर्माण विभाग प्रदेश में नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा देने संकल्पित-ईएनसी श्री मेहरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में सड़कों की स्थिति और उनकी मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग के प्रयासों पर जानकारी साझा करते हुए ईएनसी आरके मेहरा ने बताया कि प्रदेश में कुल 81,000 किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क है। इसमें 9,315 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग, 12,568 किलोमीटर स्टेट हाईवे, 25,420 किलोमीटर मुख्य जिला मार्ग और 33,697 किलोमीटर ग्रामीण सड़के शामिल हैं। भोपाल शहर में लोक निर्माण विभाग के अधीन कुल 573 किलोमीटर सड़के हैं, जिनमें से 400 किलोमीटर सड़के परफॉर्मेंस गारंटी के अंतर्गत आती हैं और 173 किलोमीटर सड़के साधारण मरम्मत के अंतर्गत आती हैं। वर्षा ऋतु के दौरान शहर में डामर की सतह क्षतिग्रस्त हो जाती है, जिसकी मरम्मत की जा रही है। श्री मेहरा ने बताया कि हाल ही में भोपाल शहर के 14 मार्गों पर 22 किलोमीटर की लंबाई में लगभग 523 वर्गमीटर में गड्ढे पाए गए थे। इनमें से 6 सड़कों की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है, और शेष सड़कों में भी मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। 6 अगस्त को अधीक्षण यंत्री मण्डल भोपाल द्वारा इन सड़कों का निरीक्षण किया गया था, जिसमें वर्षा ऋतु के कारण शहर की लगभग 3 प्रतिशत सड़कों में गड्ढे पाए गए थे। इनमें से अधिकांश की मरम्मत कर दी गई है। सड़कों की मरम्मत को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री जी ने लोक पथ मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति सड़कों में गड्ढों की फोटो अपलोड कर शिकायत कर सकता है। अब तक विभाग को लोकपथ ऐप के माध्यम से 1868 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 1,662 का निराकरण कर दिया गया है।इसी के साथ विभाग ने अधिक क्षतिग्रस्त स्थानों पर 100 एमएम पेव्हर ब्लॉक का उपयोग कर मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। विभाग ने नवीन तकनीकों का उपयोग कर लगभग 600 किलोमीटर की सड़कों का विस्तृत रखरखाव किया है।

रिक्त पदों पर विनियमित सफाई कर्मचारी होंगे स्थाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार के आदेश के तहत विनियमित सफाई कामगारों को सफाई कामगार के उपलब्ध रिक्त पदों पर वरीयता के आधार पर स्थाई किया जायेगा। नगरीय निकायों में कार्यरत समस्त दैनिक वेतन भोगी जो वर्ष 2007 से वर्ष 2016 तक कार्यरत है उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार विनियमित किया जायेगा। निर्णय से 15 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों को विनियमितिकरण का लाभ मिलेगा। यह निर्णय बुधवार को मंत्रालय में राज्य सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव श्री नीरज मंडलोई

उपस्थित थे। बैठक में तय किया गया कि मृतक कर्मचारी अथवा स्वास्थ्य कारणों से सेवानिवृत्त कर्मचारी के परिवार को नियमों में संशोधन कर एक परिजन को अनुकम्पा नियुक्ति दी जायेगी।

इसका लाभ मृतक विनियमित कर्मचारियों के परिजनों को भी मिलेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि नगरीय निकायों में सफाई से संबंधित उपकरण और वाहन सफाई कामगारों के समूहों को दिए जायेंगे। सफाई कामगारों के पदों को बढ़ाने पर विचार करने के लिए विभाग द्वारा एक प्रस्ताव तैयार कर मंत्रि-परिषद की बैठक में रखा जायेगा। राज्य सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री करोसिया ने कहा कि इन निर्णयों से सफाई मित्रों के परिवार का समग्र विकास होगा। बैठक में सफाई कामगारों के प्रतिनिधि सर्वश्री गंगाराम घोसरे, अशोक वाल्मिकी, विष्णु भारती, रामप्रकाश वंशकार, अमित कच्छवा, राजेश खरे पीथमपुर, कमल भाटी, राजू सांगते और महिला प्रतिनिधि श्रीमती मधु वाल्मिकी, श्रीमती पार्वती ताम्य भी मौजूद थीं।

विकसित भारत का मंत्र-भारत हो नशे से स्वतंत्र अभियान 12 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विकसित भारत का मंत्र-भारत हो नशे से स्वतंत्र जागरूकता कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रदेश में प्रभावी ढंग से किया जाए। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए है। अभियान के तहत 12 अगस्त 2024 को प्रातः 9 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण डॉ. आर आर भोंसले ने बताया कि भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत देश के 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर नशा मुक्त भारत अभियान के 5 वर्ष पूर्ण पर देशव्यापी जनजागरूता कार्यक्रम 12 अगस्त 2024 को किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाये जाने के लिए सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी किये गए है। अभियान के तहत समस्त स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 12 अगस्त 2024 को प्रातः 09:00 बजे शपथ लेने हेतु व्यवस्था की जायें।कार्यक्रम के सुचारू कार्यान्वयन के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किये जायेंगे। शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें/ वीडियो भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के नशामुक्त भारत अभियान के बैनर को भी प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां, विद्यालयों/महाविद्यालयों स्तरों पर परिचर्चा, प्रभातफेरी, मानव श्रृंखला, नुक्कड नाटकइत्यादि प्रतियोगिताऐं आयोजित की जाएगी।

गौहर महल में 18 अगस्त तक चलेगा सावन मेला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि ग्रामोद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। ग्रामोद्योगों से हमारे ग्रामीण बुनकरों, करघाचालकों, दस्तकारों, हस्त शिल्पियों, कारीगरों, कच्चा माल आपूर्तिकर्ताओं और अन्य लोगों को भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है। गांव और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वोकल फॉर लोकल मंत्र दिया गया है। इसके तहत देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिये हम सबको स्वदेशी वस्त्र अपनाना चाहिए।

जितना हो सके, खादी के कपड़े पहनिए, यह हर मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद है। खादी वस्त्रों की मांग बढ़ने से हमारे बुनकरों और ग्रामीण दस्तकारों को लाभ मिलेगा और वे आर्थिक रूप से सपन्न हो सकेंगे। राज्यमंत्री श्री जायसवाल बुधवार को भोपाल के गौहर महल में दसवें राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस कार्यक्रम और सावन मेले के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह 9 अगस्त तक जारी रहेगा। इसमें हर दिन अलग-अलग इवेंट्स होंगे।राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बुनकरों से अपील करते हुए कहा कि वे नये-नये डिजाइन के गुणवत्तापूर्ण टिकाऊ कपड़े बनाकर हमारी देशज संस्कृति को और समृद्ध बनायें और हम सबको गौरवान्वित होने का अवसर देते रहें। उल्लेखनीय है कि देश के सभी बुनकरों, दस्तकारों और ग्रामीण कारीगरों के हुनर एवं उनके असीम श्रम के सम्मान स्वरूप हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस मनाया जाता है। पहला राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस समारोह 7 अगस्त 2015 को चेन्नई में मनाया गया था। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने सभी को राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस की बधाई और शुभकामनाएँ देकर सावन मेले का भरपूर आनंद लेने और शिल्पकारों के उत्पादों को क्रय करने का आह्वान किया। उन्होंने मंच से उत्कृष्ट बुनकरों और हस्तशिल्पयों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग विकास बोर्ड श्री मालसिंह, आयुक्त रेशम विकास श्री मदन विभीषण नागरगोजे, मप्र संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के प्रबंध संचालक तथा आयुक्त हस्तशिल्प एवं हाथकरघा श्री मोहित बुंदस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी भोपाल के डायरेक्टर श्री आशीष अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में बुनकर व स्टॉल प्रदर्शक उपस्थित थे। बुनकरों और हस्तशिल्पियों के उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिये गौहर महल में सावन मेले का आयोजन किया गया है। यह 18 अगस्त तक चलेगा। सावन मेले में प्रदेश के हाथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन, बुनकरों का सम्मान एवं बुनाईकला को प्रदर्शित करने के लिये फैशन शो एवं सांस्कृतिक कार्यकम किये जायेंगे। हाथकरघा क्लस्टर चंदेरी, महेश्वर, ग्वालियर, सारंगपुर, सीधी, रीवा, मंदसौर, वारासिवनी, सीहोर, मंडला एवं डिण्डोरी में भी ऐसे ही आयोजन किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर पारम्परिक हाथकरघा क्लस्टर चंदेरी, महेश्वर, सारंगपुर मंदसौर, सौंसर, सीधी, वारासिवनी, सागर के बुनकरों व कारीगरों को सम्मानित किया गया। चंदेरी, महेश्वर, सौसर एवं वारासिवनी क्लस्टर में उत्पादित मलबरी एवं टसर सिल्क की साड़ियों, होम फर्नीशिंग सारंगपुर पड़ाना एवं मंदसौर क्लस्टर की आकर्षक चादरों के न्यू कलेक्शंस का प्रदर्शन भी इस अवसर पर किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री लाड़ली बहनों के आभार सह उपहार कार्यक्रम में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अगस्त को प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के पूर्व 250 रूपये की शगुन राशि उनके खातों में अंतरित करेंगे। साथ ही लाड़ली बहना योजना में सभी बहनों को 1250 की राशि अंतरित करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मंदसौर जिले की 2 लाख 67 हजार बहनों के खातों में 6 करोड़ रूपये से अधिक की राशि रक्षाबंधन के उपहार के रूप में अंतरित होगी। उप मुख्यमंत्री मंदसौर में कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम मे आभार सह उपहार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं को

आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। लाड़ली बहन, लाड़ली लक्ष्मी जैसी योजना से प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का कार्य किया जा रहा है। यह देश का सबसे बड़ा उदाहरण है। आज हर क्षेत्र में महिलाएं काम कर रही हैं, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां पर महिलाओं ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया हो। ओलंपिक जैसे खेलों में भी महिलाएं आगे बढ़-चढ़कर भाग ही नहीं ले रही है, बल्कि पदक जीतकर देश का नाम रौशन कर रही है। सरकार ने महिलाओं के शिक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए है। उन्होंने कहा कि जब देश में हर व्यक्ति सशक्त एवं आत्मनिर्भर होगा तभी वर्ष 2047 में विकसित भारत बनेगा। उप मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम परिसर में पौधों का रोपण किया। उन्होंने कहा कि अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाए। पर्यावरण के लिए वन सबसे महत्वपूर्ण है। आज के समय जो प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, उसको वन के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। स्वयं पेड़ लगाएं तथा अपने पड़ोसियों को भी पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करें। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा को लाडली बहनों ने राखी बांधकर आशीर्वाद दिया। कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम परिसर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा लगाई गई।

वैढन प्लाजा की दुकानों को कराया जा रहा खाली

दुकानदारों ने कहा- साहब इस बारिश में हमें ना निकालो, हम इतना ज्यादा सामान लेकर कहां जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। वैढन में गनियारी व्यवसायिक प्लाजा के जर्जर हालत को देख अल्टीमेटम दिए जाने के बाद बुधवार को शाम 4 बजे से दुकानों को सील कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। जानकारी के अनुसार वर्ष 2010 में करीब 4 करोड़ रुपए के अधिक लागत से गनियारी अंबेडकर चौक में व्यवसायिक प्लाजा का निर्माण कराया गया था।

पिछले दिनों सागर जिले के शाहपुर में मंदिर परिसर में दिवार गिरने से 9 बच्चों की हुई मौत के बाद प्रदेश सरकार जर्जर भवनों को खाली कराकर जमींदोज कराने के निर्देश दे दिए हैं। किसी प्रकार की अनहोनी न हो इसके मद्दे नजर सुरक्षा के लिहाज से व्यवसायिक प्लाजा को खाली कराने के लिए निगमायुक्त सक्रिय हो गए।

बुधवार सुबह से ही प्लाजा के सामने प्रवेश द्वार पर सार्वजनिक सूचना का प्लैक्सी नगर निगम ने लगा दिया। व्यवसाय करने वाले समस्त व्यवसायिकों को नोटिस दी जा चुकी है और उनके दुकानों को तत्काल निरस्त करने के लिए सूचित कर दिया गया है। साथ ही प्लाजा में आमजन का प्रवेश भी तत्काल प्रभाव से निषेधित किया है।

व्यापारियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि साहब इस भरी बारिश में चिड़ियों के घोंसले को भी नहीं उजाड़ते। हम लोग कहा जाएं। दुकान के इतनी सामग्रियों को कहा रखे। जगह भी नहीं है और इतना जल्दी शिफ्ट भी नहीं कर सकते। प्लाजा की गुणवत्ता बेहद खराब है। इसको नकारा नहीं जा सकता। इसमें व्यापारियों की क्या गलती है। जिसकी सजा सैकड़ों व्यापारियों को मिल रही है।

गुणवत्ता विहीन कार्य हुआ है तो उस दौरान ननि में पदस्थ अधिकारियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध हो और लागत से लेकर हम लोग के नुकसानी तक का भी राशि वसूल की जाए। साथ में उनकी भी संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई हो। तभी भ्रष्टाचारियों की आंखे खुलेगी।

नगर निगम आयुक्त ने कहा कि इस पर भी चर्चाएं हो रही है। आगे बड़ी कार्रवाई होगी।

आप सब इंतजार कीजिए। व्यवस्थाओं को थोड़ा वक्त लगता है। इस कार्रवाई में एसडीएम सृजन वर्मा, आयुक्त डीके शर्मा, उपायुक्त आरपी बैस, कार्यपालन यंत्री व्हीपी उपाध्याय, टीआई अशोक सिंह, उपयंत्री एसएन द्विवेदी एवं भारी संख्या में ननि का स्टाफ व पुलिस बल मौजूद रहा।

अभद्रता करने वाला आरक्षक निलंबित

नशे में सिविल ड्रेस में वाहन चेकिंग के नाम पर चालकों से की थी बदसलूकी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित झींक बिजुरी चौकी में पदस्थ आरक्षक ने शराब के नशे में एक वाहन चालक के साथ बीच सड़क मारपीट की थी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद एसपी ने मारपीट करने वाले आरक्षक गिरधारी सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

बुधवार शाम को आरक्षक गिरधारी सिंह चौकी आ रहा था और शराब के नशे में था। तभी रास्ते पर यह घटना हुई। आरक्षक गिरधारी सिंह चौकी से कुछ दूर पर किराए के मकान में रहता है।

वाहन चेकिंग के नाम पर अभद्रता: पुलिस चौकी झींक बिजुरी में पदस्थ आरक्षक गिरधारी सिंह सिविल ड्रेस में बाइक पर सवार होकर चौकी आ रहा था, तभी रास्ते में उसे एक छोटा पिकअप वाहन दिखाई दिया। शराब के नशे में धुत आरक्षक ने वाहन को सड़क पर रोक लिया और चालक से कागजात की मांग करने लगा।

जब वाहन चालकों के साथ आरक्षक अभद्रता कर रहा था उस दौरान वह सिविल ड्रेस में था। वाहन चालकों को संदेह हुआ तो उन्होंने पैसा देने से मना कर दिया। इस बात को सुनकर आरक्षक गिरधारी सिंह भड़क गया और अभद्रता करते हुए मारपीट करने लगा।

बेल्ट उतारकर कर पीटने लगा: नशे की हालत में धुत होकर आरक्षक गिरधारी सिंह ने अपना बेल्ट उतारा और मारपीट करने लगा।

इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बीच बचाव किया। इसके बाद मामला शांत हुआ। वहां मौजूद एक वाहन चालक ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

बस ड्राइवर के साथ मारपीट

चालक ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में दिया आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी शहर के सम्राट चौराहे में एक बस चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है। वीडियो में बस ड्राइवर से 2 लोग खींचते नजर आ रहे हैं। जब ड्राइवर बस के नीचे नहीं तो उसकी पिटाई कर दी।

पूरा मामला बुधवार शाम 5 बजे का है, जब एस के कंपनी की बस जो की बैढ़न से सीधी आ रही थी। तभी जैसे ही सम्राट चौराहे पर बस पहुंची। तब दो लोगों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। वहीं एक व्यक्ति नीचे खड़ा हुआ था जो यह सब करवा रहा था। पीड़ित बस चालक शैलेंद्र पांडे ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट करने के संबंधित में कार्रवाई के लिए आवेदन दिया है।

थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर तीन अज्ञात लोगों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान की जा रही है। तीनों को तलाश करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं पो पाया है कि विवाद किस बात को लेकर हुआ। तीनों अज्ञात व्यक्तियों ने क्यों बस ड्राइरवर को पीटा है।

एसडीएम ने हल्का पटवारी को किया निलंबित

पैसे लेने का वीडियो हुआ था सोशल मीडिया पर वायरल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। नवागत कलेक्टर के आदेश पर गुरुवार की देर शाम 5 बजे गौरिहार एसडीएम ने एक हल्का पटवारी को निलंबित करने की कार्रवाई की है। हल्का पटवारी ने एक किसान से काम के एवज में पैसे लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिस पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे जांच में लिया गया। जांच में वीडियो सही पाए जाने पर एसडीएम ने कलेक्टर के आदेश पर पटवारी को निलंबित किया है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार की शाम 5 बजे कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर गौरिहार एसडीएम ने हल्का पटवारी रामनाथ कोविंद का किसान से पैसे लेने का एक वीडियो सामने आने पर निलंबित किया है। जांच के दौरान वीडियो प्रथम दृष्टया सही व प्रामाणिक प्रतीत हुआ है।

पटवारी का यह कृत्य लोक सेवक के आचारण के विपरीत, अमार्यादित स्वेच्छारिता और गंभीर कदाचरण का परिचायक होने से मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3(1), (2), (3) के तहत दण्डनीय है। उक्त कृत्य के लिये पटवारी रामनाथ को कारण बताओ नोटिस भेजा गया। हालांकि, पटवारी रामनाथ द्वारा कोई संतोषजनक जबाब पेश नहीं किया गया।

कदाचरण के कारण सिविल सेवा वर्गीकरण,नियंत्रण एवं अपील 1966 के नियम 9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि इनका मुख्यालय कार्यालय तहसील गौरिहार नियत किया गया है।

पन्ना-पहाड़ीखेरा मार्ग पर चक्काजाम

लोग बोले- पूर्व सेल्समैन ने मशीन में अगूंठा लगवाया, लेकिन नहीं दिया 4 महीने का राशन

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना के वार्ड 4 के लोगों ने पन्ना-पहाड़ीखेरा मार्ग में स्थित राशन दुकान के पूर्व विक्रेता की मनमानी से परेशान होकर बीच रोड में बैठकर प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया।

हितग्राहियों ने आरोप लगाए हैं कि पूर्व में पदस्थ रहे सेल्समैन ने अंगूठे लगवा लिए। लेकिन चार महीने से राशन नहीं दिया। सेल्समैन अब रिटायर्ड हो गया है, जिससे हमारी सुनवाई नहीं हो रही है। इससे परेशान होकर प्रदर्शन और चक्काजाम करने को मजबूर होना पड़ा।

वार्ड 4 में स्थित सरकारी उचित मूल्य की दुकान में एक महीने पहले महेंद्र मिश्रा और डीके दुबे नाम के सेल्समैन पदस्थ थे। जिनमें महेंद्र मिश्रा का रिटायरमेंट होने के बाद अब दुकान का संचालन अस्पाक खान को सौंपा गया है। लेकिन वार्डवासियों का आरोप हैं कि बीते चार माह से पूर्व सेल्समैन की मनमानी और लापरवाही की वजह से राशन नहीं मिला है।

लोगों के प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर सड़क से हटाया। तहसीलदार अखिलेश प्रजापति ने को 12 अगस्त को कैंप लगाकर सभी की समस्याओं को सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया है।

लवकुशनगर थाना पुलिस की कार्रवाई

अवैध वसूली और मारपीट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

मीडिया ऑडीरटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के लवकुशनगर थाना पुलिस ने गुरुवार को दो आरोपियों को अवैध वसूली और मारपीट के मामले में 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि 6 अगस्त को फरियादी ने आरोपियों के अवैध वसूली करते हुए पैसे मांगने और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने की शिकायत की थी। पुलिस ने इदोनों आरोपियों के पर धारा 126 (2),119(1),115(2),351(2),3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही थाना पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।

बुधवार की देर रात सूचना मिलने पर लवकुशनगर के एक कस्बा से मारपीट और अवैध वसूली करने वाले दोनों आरोपियों प्रकाश अहिरवार(31) और भारत अनुरागी (21) को गिरफ्तार किया गया।

लवकुशनगर थाना प्रभारी प्रशांत सेन ने बताया कि 24 घंटे पहले फरियादी की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। देर रात में आरोपियों को गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया गया है।

जिला विकासखण्ड और ग्राम पंचायतों में होंगे आभार सह उपहार कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। शासन के निर्देशों के अनुसार 10 अगस्त को लाड़ली बहना उत्सव तथा आभार सह उपहार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम के टाउनहाल में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ-साथ सभी विकासखण्ड मुख्यालयों, नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड तथा सभी ग्राम पंचायतों में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लाड़ली बहना योजना की 1250 रुपए की राशि तथा रक्षाबंधन पर्व की 250 रुपए की राशि जारी करने के राज्य स्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण भी दिखाया जाएगा।

इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि जिले में आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, सांसद, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्यगण शामिल होंगे। नगरीय निकाय में आयोजित कार्यक्रमों में महापौर, नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा पार्षदगण शामिल होंगे। ग्राम पंचायतों में आयोजित सरपंच तथा पंचगण शामिल होंगे। विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण भागीदारी निभाएंगे।

जयंत पुलिस को मिली सफलता

थाना क्षेत्र से चार साल पहले बाइक चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार, 3 बाइक जब्त

सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले की जयंत पुलिस ने गुरुवार को एक बाइक चोर को पकड़कर तीन बाइक जब्त की है। तीनों बाइक वाहन मालिकों के सुपुर्द कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार 5 जुलाई 2020 को नवानगर की निगाही कॉलोनी निवासी आरोपी पवन पिता बसंत राम साकेत ने जयंत थाना क्षेत्र से बाइक चोरी की थी। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कर तलाश शुरू की। आरोपी वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था। चार साल बाद गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की 3 बाइक बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी अभिषेक पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक उत्तम सिंह, राजवर्धन सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक कुनाल सिंह, बीरेन्द्र पटेल, विष्णु रावत, आरक्षक दीपक यादव की सराहनीय भूमिका रही।

क्रेशर मशीन में दबने से एक युवक की मौत

पुलिस ने दर्ज किया मामला, अस्पताल में लावारिस हालत में मिली थी लाश

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर, राजनगर निप्र। थाना अंतर्गत बुधवार की देर रात क्रेशर मशीन में दबने से एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। युवक रात में क्रेसर मशीन पर काम कर रहा था तभी काम करते वक्त ड्यूटी के दौरान क्रेशर मशीन में दबने से वह बुरी तरह घायल हो गया।

क्रेशर पर मौजूद स्टाफ उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर लाये जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसी में घोषित कर दिया और पुलिस को सूचित करते हुए पोस्टमार्टम के लिए बॉडी को मर्चुरी भेज दिया। थाना पुलिस ने पंचनामा बनाया और बॉडी का पोस्टमार्टम करवाते हुए परिजनों को सौंप दी। वहीं थाना पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

हेमराज पिता कल्लू पटेल (22) निवासी रमपुरा ओटापुरवा थाना बमीठा का रहने वाला है। जो बुधवार की देर रात किशनपुरा तिगैला के किशनपुरा स्टोन क्रेसर,कम्पनी खजुराहो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड में काम कर रहा था। तभी अचानक युवक ड्यूटी के दौरान काम करते वक्त मशीन के अंदर चला गया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया तभी पास में मौजूद कर्मचारियों ने उसे मशीन से बाहर निकाल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर अस्पताल में रात 2 बजे छोड़ कर भाग गए। जिसकी जानकारी अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने डॉक्टर महबूब असलम को दी।

ड्यूटी डॉक्टर ने उसे देखकर मृत घोषित करते हुए थाने में सूचित किया। थाना पुलिस ने गुरुवार की दोपहर 3 बजे व्यक्ति की पहचान की गई। पुलिस ने परिजनों को बुला पंचनामा बनाते हुए बॉडी का 3,30 बजे पोस्टमार्टम करवाया। उसके बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी। थाना पुलिस ने मर्ग 29/24 धारा-194 बीएनएस कायम करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

हालांकि इस मामले में कोई भी अधिकारी खोलकर जानकारी देने से बच रहे हैं। क्योंकि यह क्रेशर मशीन पूर्व विधायक की बताई जा रही है। डॉक्टर महबूब सलमान ने बताया कि रात में अस्पताल के अंदर एक बॉडी पड़े होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद थाना पुलिस को सूचित किया गया था थाना पुलिस ने बॉडी का पोस्टमॉर्टम कराया है।

थाना प्रभारी सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि अस्पताल में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की जानकारी मिली थी। व्यक्ति की पहचान करने के बाद परिजनों को बुलाया और मर्ग कायम किया गया और बॉडी का पोस्टमॉर्टम होने के बाद परिजनों को सौंप दिया। अब थाना पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

नवोदय विद्यालय सिरमौर में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 सितम्बर तक किए जा सकते हैं। प्रवेश के लिए परीक्षा 18 जनवरी 2025 को होगी। विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी जिस जिले का मूल निवासी है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उसी जिले में स्थित शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5 में शिक्षा ग्रहण कर रहा है वह पात्र होगा। प्रत्येक कक्षा में पूर्ण शैक्षणिक सत्र का अध्ययन कर रहे विद्यार्थी जो कक्षा 3 व 4 की परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा जन्मतिथि 31 जुलाई 2015 से एक मई 2023 के मध्य होनी चाहिए प्रवेश ले सकते हैं। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित नवोदय विद्यालय आवासीय विद्यालय हैं जहाँ निःशुल्क शिक्षा के साथ बालक-बालिकाओं के अलग-अलग छात्रावासों में निःशुल्क आवास एवं भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है।

कमिश्नर आज गूगल मीट से करेंगे समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 9 अगस्त को गूगल मीट के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। गूगल मीट शाम 5 बजे आरंभ होगी।

विचार

ट्रम्प की नस्लीय टिप्पणियां अमरीकी स्वभाव से हटकर

सच है कि दुनिया में कहीं भी राजनीति में कब कौन-सा नया अध्याय या घटनाक्रम जुड़ जाए, कोई नहीं जानता। 14 जुलाई को अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सभा में हमला, उसकी तस्वीरों से एकाएक उनके प्रति सहानुभूति भर गई। तनाव व आक्रोश भी दिखने लगा। यूं लगा कि यह चुनाव एकतरफा हो जाएगा क्योंकि डैमोक्रेटिक पार्टी का प्रचार भी एक पल के लिए थमता दिखने लगा। छवि एकाएक हीरो की बन गई। उनके मुंह से निकला 'फाइट, फाइट, फाइट' हर जुबान और कपड़ों तक में छा गया। चुनाव से पहले ही रिपब्लिक पार्टी, डैमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी चुनौती देते दिखने लगी। कई वजहें पहले से थीं जो एकाएक उफान पर आ गई। जहां मौजूदा राष्ट्रपति और डैमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन अपनी याददाश्त और कई हरकतों से चर्चाओं में आए और उनके कई वीडियो और मीम्स ने भी दौड़ में पछाड़ना शुरू कर दिया। इससे माहौल एकतरफा दिखने लगा। कहते हैं कि राजनीति शह और मात का खेल है। अमरीका में यही हुआ। हमले के केवल 6 दिनों बाद 20 जुलाई को जैसे ही जो बाइडेन ने अपनी उम्मीदवारी वापस ली और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस पर भरोसा जताया तो सब कुछ बदलने लगा। चुनावी संघर्ष बराबरी पर आ गया। अब अमरीकी चुनावी परिदृश्य एकदम उलट दिख रहा है। जैसी नस्लीय टिप्पणियां अब डोनाल्ड ट्रम्प कर रहे हैं उसकी न केवल अमरीका बल्कि पूरे विश्व में आलोचना हो रही है। ब्लैक जर्नलिस्ट के एक सम्मेलन में बहस के दौरान ट्रंप ने कमला हैरिस को काली कहते हुए उनकी भारतीय पहचान पर भी सवाल खड़े किए। निश्चित रूप से बड़ी संख्या में अमरीका में रहने वाले भारतीयों को यह नागवार गुजरा, गुजरना भी चाहिए। ट्रम्प कैसे भूल गए कि उन्हें पिछले चुनाव में भारतीयों ने कितना साथ दिया था? यह भरोसा महज हैरिस की उम्मीदवारी से टूट गया? यकीनन ऐसी टिप्पणियां ट्रम्प की हताशा बताती हैं। चुनावी नतीजे क्या होंगे,यह अलग है। लेकिन ऐसा लगता है कि अपनी अकड़ और गरूर के लिए पहचाने जाने वाले ट्रम्प ने कहीं खुद तो अपने पैर पर कुल्हाड़ी नहीं मार ली? महज एक पखवाड़े में ही हवा का रुख अपने खिलाफ तो नहीं कर लिया? इतनी जल्दी ट्रम्प कैसे भूल गए कि कभी उन्होंने एशियन-अमरीकन विरासत पर जोर दिया था। सही है कि कमला हैरिस पहली अश्वेत और एशियन-अमरीकन उप-राष्ट्रपति हैं। उनकी जड़ें भारत और जमैका से जुड़ी हैं। पढ़ाई ब्लैक यूनिवर्सिटी हार्वर्ड से हुई। वह अश्वेत लोगों के अल्फा कप्पा महिला संगठन में सक्रिय रहीं। अमरीका जैसे विकसित और अलग सोच रखने वाले देश में ऐसी उम्मीद एक पूर्व राष्ट्रपति या भावी उम्मीदवार से नहीं की जा सकती। किसी को अधिकार भी नहीं कि वह चुनावी माहौल को पक्ष में करने हेतु या किसी की पहचान पर टिप्पणी करे या बताए। अब अमरीका में इसी पर गर्मागर्म बहसें हो रही हैं। ट्रम्प की नस्लीय टिप्पणियां चुनावी मुद्दा बनता जा रहा है। यह उनकी न पहली टिप्पणी है, न आखिरी होगी। पहले भी उनकी नस्लीय भड़ास सामने आ चुकी है।

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

ललित गर्ग

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है?

पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा? इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है। हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था। मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है। भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं। बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी स्थिति कतई नहीं बननी चाहिए कि जहां राजनीतिक दलों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जायें कि फौज का दखल देना पड़े या पडोसी देश अपनी स्वार्थों की रोटियां सेंकने में सफल हो जाये। भारत के पडोसी देशों के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। इन पडोसी देशों के नेता दो तरह के हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो सभी पडोसी देश मिलकर विश्व में एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इन पडोसी देशों के स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने की अपेक्षा है।

मनु भाकर की उपलब्धि पर है पूरे देश को गर्व, लौटाया शूटिंग का स्वर्णिम दौर

योगेश कुमार गोयल

पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन भारत का प्रत्येक व्यक्ति ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक जीतने की पक्की उम्मीदें लगाए बैठा था और ये उम्मीदें टिकी थी भारत की 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर पर। पूरी उम्मीद थी कि 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर ओलंपिक में अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करते हुए इस स्पर्धा में भी भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में कामयाब हो सकती हैं लेकिन इस बार वह पदक जीतने से थोड़ा सा चूक गई और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 40 में से 28 शॉट्स लगाने के साथ चौथे स्थान पर रही और इसी के साथ पेरिस ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक लगाने का उनका सपना भी अधूरा रह गया। दरअसल तीसरे और चौथे स्थान के शूटर के बराबर प्वाइंट थे। इसके बाद मनु और हंगरी की मेजर वेरोनिका के बीच शूटऑफ हुआ, जिसमें मनु केवल तीन निशाने ही लगा पाई जबकि हंगरी की शूटर ने चार बार टारगेट को हिट किया और उसी के साथ मनु पदक की रेस से बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन मनु का लक्ष्य ओलंपिक में एक नया इतिहास रचना था लेकिन वह पदक हासिल करने से मामूली सी पीछे रह गई। वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में हार के बाद मनु का कहना था कि उनके ऊपर इस इवेंट को लेकर काफी दबाव था। हालांकि 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में मिली इस हार के बावजूद भारत की इस इकलौती निशानेबाज ने वो खुशियां और गर्व के पल देश को दिए हैं, जिसकी ओलंपिक शुरू होने के समय तक शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

मनु ने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में तीन अलग-अलग शूटिंग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और तीनों में ही उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। 3 अगस्त को जब मनु वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में खेलने उतरी तो हर नजर उन्हीं के प्रदर्शन पर केंद्रित थी। भले ही वह यह मुकाबला हार गई लेकिन कुल तीन शूटिंग स्पर्धाओं में से उन्होंने अपने जोश और जज्बे के साथ दो में कांस्य पदक जीतकर भारत में शूटिंग के सुनहरे दौर को वापस लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मनु की ही बदौलत भारत ने पहली बार शूटिंग में किसी एक ओलंपिक सीजन में तीन मेडल हासिल किए हैं। विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पर्धाओं में अनेक पदक जीतने के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर मनु ने ऐसा अविस्मरणीय इतिहास रचा, जो उनके अलावा ओलंपिक के 124 वर्षों के इतिहास में अब तक भारत का कोई भी अन्य दएथलीट नहीं कर पाया। पेरिस ओलंपिक में मनु ने जिस तरह का जबरदस्त प्रदर्शन किया और अपने मैचों के दौरान जिस प्रकार का 'धाकड़' खेल दिखाया, उसी के कारण उन्हें अब मनु भाकर के साथ-साथ 'मनु धाकड़' भी कहा जाने लगा है।

मनु से पहले कोई भी पुरुष या महिला एथलीट एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने में सफल नहीं हुआ है। देश की आजादी से बहुत पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 में आयोजित हुए ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में कुल दो रजत पदक जीतकर एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने का रिकॉर्ड बनाया था और उम्मीद थी कि मनु 124 साल पुराने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकती हैं लेकिन 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर की ओलंपिक में ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी नहीं हो पाई। हालांकि पहला कांस्य पदक जीतने के साथ ही वह ओलंपिक के इतिहास में भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बन गई थी और उस पदक के साथ ही मनु ने शूटिंग में भारत के पदक के 12 वर्ष के सूखे को भी खत्म किया था। मनु से पहले 2012 के लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में एक-एक पदक जीते थे। ओलंपिक के 124 वर्ष के इतिहास में मनु से पहले भारत को शूटिंग में केवल 4 पदक ही नसीब हुए थे जबकि भारत केवल इसी ओलंपिक में मनु के दो पदकों सहित कुल 3 पदक जीत चुका है। शूटिंग में 2004 के एथेंस ओलंपिक में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रजत पदक जीता था, उसके बाद 2008 के बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण पदक भारत के नाम किया और 2012 के लंदन ओलंपिक में विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था।

ओलंपिक में मनु ने अपना पहला पदक 28 जुलाई 2024 को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के महिला वर्ग में जीता था। उस शूटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक में पदक हासिल करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थी। उसके बाद 30 जुलाई को मनु ने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता और उस जीत के साथ ही वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई थी। एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर वह सुशील कुमार और पीवी सिंधु को भी पीछे छोड़ चुकी हैं। दरअसल ओलंपिक इतिहास में मनु से पहले यही दो ऐसे भारतीय खिलाड़ी थे, जिन्होंने एकल स्पर्धा में दो पदक जीते थे लेकिन उन्होंने अपने पदक एक ही ओलंपिक में नहीं बल्कि अलग-अलग ओलंपिक में जीते थे।

राजस्व अमलों सहित अन्य विभागीय अधिकारियों गिरदावरी निरीक्षण की दी गयी जानकारी

खटिया गिरदावरी से बचे गिरदावरी गण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। विगत दिवस कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश पर अपर कलेक्टर अनिल सिदार ने तहसीलदार शशि शेखर मिश्रा को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में सभी विभाग के अधिकारियों को जिले में गिरदावरी निरीक्षण के दौरान किन-किन बातों को ध्यान रखना है उसके लिए विस्तार से जानकारी देने के लिए कहा।

श्री शेखर ने समस्त अधिकारियों को बताया कि राजस्व विभाग के निर्देश पर नियम समय सीमा अनुसार खरीफ और रबी मौसम में फसल क्षेत्राच्छादन की रिपोर्ट क्षेत्र में घूम-घूम कर फसल क्षेत्राच्छादन की पूर्ण एवं वास्तविक रिपोर्ट तैयार करने को ही सामान्यतः गिरदावरी कहते है। राजस्व अमलों को गिरदावरी में सघन दौरा और स्थल निरीक्षण के दौरान सिंचाई के साधन, भूमि का गैर-कृषि उपयोग एवं अन्य उपयोग का उल्लेख करते हुये अभिलेखों की शुद्धता पर विशेष ध्यान देने कहा। गिरदावरी का महत्व इसलिए बढ़ जाता है कि राज्य शासन धान खरीदी, बीमा, आपदा प्रबंधन के तहत सहायता, आयात और निर्यात जैसे नीतिगत फैसले तथा भू-राजस्व माफी जैसे मामलों पर कार्यवाही कर सकें। गिरदावरी में खसरा, खेत के विरद्ध उस पर लगे फसल, उद्यानिकी फसल और खड़ी अन्य संरचनाओं की प्रविष्ठि की जानी होती है।

यह कार्य हल्का पटवारी के द्वारा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण बागवानी विस्तार अधिकारी एवं सचिव के साथ किया जाता है। किसी भी ग्राम कब और किसके द्वारा गिरदावरी की जानी है इसकी पूर्व सूचना लिखित में ग्राम पंचायतों तथा नोटिस बोर्ड में चस्पा कराते हुए ग्राम कोटवार से मुनादी अवश्य कराये जाने के निर्देश है। गिरदावरी के दौरान हल्का पटवारी के द्वारा अभिलेख शुद्धता के बटांकन, आदेश उपरांत अभिलेख दुरुस्ती, संकलन-विलोपन, वन पट्टा की कॉपी लेना, आधार नम्बर, किसान किताब का नम्बर तथा मोबाईल नम्बर का संग्रहण करना अनिवार्य है। गिरदावरी के पश्चात पंचनामा बनाना कि हल्का पटवारी के द्वारा किन-किन अधिकारियों के साथ मिलकर खेत में जाकर, उपस्थित किसानों के समक्ष गिरदावरी कर फसल का नाम एवं रकबा खसरा में लिखा है। पंचनामा की एक प्रति पंचायत में तथा एक प्रति तहसील कार्यालय में जमा करना होगा।

इस बार जिले में दावा-आपत्ति वास्तविक रूप से प्राप्त करने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम वार ग्राम सभा का आयोजन किया जाना है। जिसमें हल्का पटवारी एवं अन्य अन्य अधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर फसल क्षेत्राच्छादन का वाचन करेंगे और मौके पर ही निराकरण भी करेंगे। गिरदावरी के समय कृषक द्वारा धारित रकबे पर यदि धान के बदले अन्य फसल ली गई हो तो फसल का खसरावार फोटाग्राफ हल्का पटवारी द्वारा मोबाईल में अनिवार्यतः लिया जाये। खेत में स्थित घर, तालाब, वृक्षारोपण, गैर-धान फसल और पड़ती का रकबा ठीक-ठीक लिखा जाये।

राज्य शासन के तीन विभाग ट्राइबल, राजस्व तथा वन विभाग के सचिवों के द्वारा जारी निर्देश अनुसार वन भूमियों के लिए तहसीलदार एवं रेंज ऑफिसर को वन अधिकार मान्यता पत्र के लिए नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन की प्रक्रिया विहित की गई है। गिरदावरी के दौरान दर्ज प्रविष्टि का 10 प्रतिशत रैंडम सत्यापन राजस्व निरीक्षक, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी तथा नायब तहसील, तहसीलदार के द्वारा किया जाना है।

इसकी जानकारी भी जिला कार्यालय जमा जाना है। एसडीएम के द्वारा 5 प्रतिशत तथा कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर के द्वारा 1 प्रतिशत रैंडम सत्यापन किया जाना है। गिरदावरी कार्य का राज्य स्तर के अधिकारियों के द्वारा औचक निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान फसल का दर्ज रकबा एवं वास्तविक रकबा में भिन्नता पाये जाने पर (गिरदावरी गण) हल्का पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण बागवानी विस्तार अधिकारी, सचित एवं पर्यवेक्षण अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश है।

खटिया गिरदावरी - दरअसल खटिया गिरदावरी विभागीय प्रचलन का शब्द है। इसका मतलब गांव में किसी एक जगह बैठकर रिपोर्ट तैयार करना है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में 12 अगस्त होंगे विभिन्न कार्यक्रम

कार्यक्रम की थीम - "विकसित भारत का मंत्र , भारत हो नशे से स्वतंत्र"

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, समाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग नई दिल्ली द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत "विकसित भारत का मंत्र , भारत हो नशे से स्वतंत्र" की थीम पर 12 अगस्त 2024 को प्रातः 9:00 बजे जिले के सभी शासकीय अशासकीय शालाओं, महाविद्यालयों, आईटीआई, पालिटेक्निक, पब्लिक संस्थाओं एवं सभी शासकीय कार्यालयों में नशामुक्ति हेतु शपथ कराया जाना, अंतर शाला, महाविद्यालयों में कम्पीटिशन, सेमिनार, वेब सेमिनार, वर्कशाप, मानव श्रृखंला, छात्रों की रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाना है।

विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र की थीम को सफल कार्यक्रम आयोजन कराने के लिए विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपा गया है। परियोजना निदेशक नोडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय तथा शासकीय सरस्वती महाविद्यालय को जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय शालाओं में नशामुक्ति हेतु शपथ कराना, अंतर शाला कम्पीटिशन, सेमिनार, वेब सेमिनार तथा वर्कशाप कराये जाने, जिला क्रिडा अधिकारी, आयुक्त नगर निगम चिरमिरी, मुख्य नगर पालिका मनेंद्रगढ़, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी नई लेदरी, झगराखांड़ तथा खोंगापानी को खेलकूद प्रतियोगिता, मानव श्रृखंला, छात्रों की रैली आयोजित कराने, जिला एन.एस.एस. प्रमुख को छात्र तथा छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाकट कराये जाने, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़, भरतपुर तथा खड़गवां को समस्त ग्राम पंचायतों में भारत माता वाहिनी के सदस्यों के माध्यम से नशा मुक्ति रैली एवं शपथ के आयोजन कराये जाने, समस्त कार्यालय प्रमुखों को अपने-अपने कार्यालय में नशा मुक्ति हेतु शपथ कराये जाने का दायित्व सौंपा गया है।

10 लाख रुपए का गांजा जब्त, 103 किलो नशे का सामान बरामद

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिस ने 10 लाख रुपए का गांजा जब्त किया है।

पूरूर थाना क्षेत्र के ग्राम सोहतरा में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक ट्रैक्टर को संदिग्ध हालत में खड़ा पाया। पुलिस ने ट्रैक्टर की तलाशी ली। ट्रॉली के नीचे बने गुप्त चैंबर में भारी मात्रा में गांजा मिला।

पुलिस ने 103 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 10 लाख रुपए आकी गई है। आरोपियों ने बड़ी ही चालाकी से ट्रॉली के नीचे गुप्त चेंबर बनाकर गांजा छुपा रखा था, ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके।

आरोपियों से पूछताछ जारी: पुलिस ने ट्रैक्टर सहित गांजा जब्त कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गांजा कहां से लाया जा रहा था और इसे कहां ले जाया जा रहा था।

सिम्स में महिला की मौत, परिजनों ने मचाया हंगामा

बेटा बोला-रात भर गंभीर हालत में पड़ी रही, कोई देखने तक नहीं आया

मीडिया ऑडीटर बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में गुरुवार को महिला की मौत होने पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान नाराज परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए डॉक्टर से झूमाझटकी भी की। परिजनों का आरोप है कि महिला देर रात से भर्ती थी, जिसके बाद भी डॉक्टर उसे देखने तक नहीं आए। जबकि, उसकी स्थिति गंभीर थी। यहां इलाज नहीं मिलने के कारण उसने दम तोड़ दी।

जानकारी के अनुसार तारबाहर में रहने वाली 45 वर्षीय महिला ऋषि कौशल दो दिन पहले उल्टी-दस्त होने से परेशान थी। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन बुधवार की रात उसे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां मौजूद डॉक्टर और स्टाफ ने जांच के बाद इंजेक्शन लगाया। फिर उसकी स्थिति गंभीर होने पर उसे सिम्स रेफर कर दिया।

सिम्स में इलाज के दौरान हुई मौत: देर रात महिला को लेकर परिजन सिम्स पहुंचे, जहां डॉक्टर ने प्रारंभिक जांच के बाद ईसीजी कराने के लिए बोला। जिसके बाद परिजनों ने स्टाफ से ईसीजी कराने के लिए कहा। आरोप है कि डॉक्टर ने परिजनों से दुर्व्यवहार किया। उन्हें कहा गया कि यहां बहुत सारे मरीज है। जब समय मिलेगा, तब ईसीजी होगा। इस बीच सुबह तक डॉक्टर उसे देखने तक नहीं आए। आखिरकार, इलाज के अभाव में गुरुवार को इलाज के दौरान के महिला की मौत हो गई।

परिजनों ने डॉक्टर से की झूमाझटकी: गुरुवार को महिला की मौत की जानकारी होने पर परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान गुस्साए परिजनों ने डॉक्टर से झूमाझटकी भी की। उनका कहना था कि रात भर मरीज की हालत गंभीर बनी रही। लेकिन, उसको कोई देखने तक नहीं आए, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ती चली गई।

भाई बोला- डिस्चार्ज भी नहीं किया: मृतका के भाई राजकुमार मिश्रा और बेटा विक्की कौशल ने बताया कि रात में उन्होंने इलाज में देरी होने पर मरीज को प्राइवेट अस्पताल रेफर करने की बात कही। इसके लिए स्टाफ से मदद भी मांगा गया, जिस पर वो दुर्व्यवहार करने लगे। लगातार हो रही देरी के कारण वो लोग परेशान थे। लेकिन, अस्पताल में कोई उन्हें सुनने वाला नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि उपचार में देरी और लापरवाही के चलते ही मरीज की मौत हुई है।

समझाते रहे पुलिसकर्मी: इस दौरान परिजनों के हंगामा मचाने की खबर मिलते ही पुलिस की टीम भी सिम्स पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने नाराज परिजनों को समझाइश दी। लेकिन, परिजन डॉक्टर और स्टाफ पर अपनी भड़ास निकालते रहे। पुलिस और डॉक्टरों की समझाइश पर मामला शांत हुआ और परिजन शव लेकर रवाना हो गए।

मेडिकल कॉलेज में बंद पड़ी लाखों की मशीनें

सोनोग्राफी, सीटी स्कैन के लिए भटक रहे मरीज, अस्पताल में एजेंट भी एक्टिव

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोनोग्राफी, सीटी स्कैन जैसी लाखों की मशीनें बंद पड़ी है। कई सुविधाएं को बंद होने से मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। लाखों रुपए की मशीनें तो यहां लगी है, लेकिन उसे चलाने वाला कोई विशेषज्ञ नहीं है। जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोनोग्राफी, सीटी स्कैन, रेडियोलॉजी एक्स-रे की मशीनें बंद पड़ी है। इसका कारण है विशेषज्ञों का नहीं होना। लाखों रुपए की मशीनें अस्पताल के लिए कबाड़ ही साबित हो रही है।

जांच के लिए भटक रहे मरीज: इतने बड़े सेटअप वाले अस्पताल में इन सुविधाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है और डॉक्टर सोनोग्राफी, सीटी स्कैन कराने पर्ची में लिखते भी हैं। लेकिन यहां सुविधा नहीं मिल पाने से मरीजों को भटकना पड़ रहा है।

प्राइवेट सेंटर में करानी पड़ रही जांच: बताया जा रहा है कि जब मरीज बाहर सोनोग्राफी कराने जाते हैं तो उन्हें 1200 रुपए की रसीद कटानी पड़ती है। इसके अलावा नॉर्मल एक्स-रे का 400 और स्पाइन का 700 रुपए तक देना पड़ता है।सिटी स्कैन के लिए 3 हजार रुपए तक देने पड़ते हैं।

सुविधा नहीं होने से मरीज परेशान: मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इन मशीनों की सुविधा नहीं होने से मरीजों को दूसरे निजी सेंटरों में जाना पड़ता है। ऐसे में शहर के दूसरे बड़े लैब और डायग्नोसिस सेंटर से मेडिकल कॉलेज की दूरी करीब तीन से चार किमी तक है। ऑटो और अन्य वाहनों के माध्यम से मरीजों को जाना पड़ता है।

एजेंट अस्पताल में सक्रिय: मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ब्लड टेस्ट विभाग भी है। यहां बाहरी लैब के एजेंट सक्रिय नजर आते हैं। जब मरीजों को बाहर से कुछ ब्लड टेस्ट कराने कहा जाता है तो ये एजेंट उनसे संपर्क कर उन्हें अपने पैथोलॉजी लैब ले जाते हैं।

जनवरी से नहीं है विशेषज्ञ: मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ एमके मिंज ने बताया कि 4 जनवरी से सोनोग्राफी, सीटी स्कैन, एक्स-रे अलट्रा साउंड के विशेषज्ञ नहीं है। शासन को जानकारी दी गई है। कोई एजेंट अस्पताल से मरीजों को अपने लैब ले जाता है तो उन पर निगरानी की जाती है। पूर्व में पुलिस से भी शिकायत की गई थी।

बस को हाइवा ने मारी टक्कर, सड़क किनारे दोनों पलटे

20 यात्रियों को आई गंभीर चोटें, अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर तारा के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्यमार्ग पर तारा के पास गुरुवार सुबह यात्रियों से भरी बस को तेज रफ्तार हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दोनों वाहन सड़क किनारे पलट गए। बस में सवार करीब 30 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तारा, मोरगा और उदयपुर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना तारा चौकी क्षेत्र की है।

दरअसल, सूरजपुर से अंबिकापुर होकर बिलासपुर के लिए जाने वाली जनता बस क्रमांक सीजी 29 बी 0106 अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर रवाना हुई। सुबह करीब 7.50 बजे नेशनल हाईवे-130 पर तारा के पास पहुंची। बस के चालक ने रफ्तार कुछ कम की, उसी दौरान अंबिकापुर से कोरबा की ओर जा रहे हाइवा क्रमांक सीजी 04 एमएच 7845 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

दोनों वाहन सड़क किनारे पलटे: टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे साइडवाल में आधा लटक-कर पलट गई। इसके बाद हाइवा एक ट्रेलर से भी टकराकर बस के साथ सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में बस में सवार करीब 30 यात्रियों को चाटें आई हैं। इनमें से 20 को गंभीर हैं। अन्य सवारों को सामान्य चोट आई हैं।

चार घंटे बाद निकाला गया एक सवार: घटना की सूचना पर तारा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य तारा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर और कोरबा जिले के मोरगा के अस्पतालों में प्राथमिक उपचार किया गया। आधा दर्जन यात्रियों को हादसे में ज्यादा चोटें आई हैं। बस में एक यात्री फंस गया था, जिसे करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। हादसे में गंभीर रूप से घायल सवारों को एंबुलेंस के माध्यम से अंबिकापुर भी लाया जा रहा है। हाइवा का चालक भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया है।

जिले में अब तक 676.2 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 08 अगस्त 2024 तक 676.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 803.5 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 540.4 मिमी कोटाडोल तहसील में दर्ज की गई है।

इसके अलावा तहसील केल्हारी में 726.5 मिमी, तहसील चिरमिरी में 722.6 मिमी, तहसील खड़गवां में 621.4 मिमी, तहसील भरतपुर में 643.1 मिमी तथा तहसील कोटाडोल में 540.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले के दुग्ध उत्पाद विक्रेताओं पर खाद्य सुरक्षा विभाग कर रहा लगातार कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। रक्षाबंधन त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए नकली खोवा तथा गुणवत्ताहीन मिठाई की बिक्री की संभावना बढ़ जाती है। सीमावर्ती राज्यों से मिलावटी दुग्ध, खोवा, मावा, कुंदा इत्यादि खाद्य की आपूर्ति की आशंका होती है। जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेन्द्रगढ़ सह अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के निर्देशानुसार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के समस्त दुग्ध एवं मिठाई दुकानों का सतत् एवं सघन निरीक्षण के साथ मिलावटी दुग्ध एवं मिठाई विक्रेताओं पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। गुणवत्ताहीन एवं अपमिश्रित दुग्ध एवं मिठाई की आशंका के मद्देनजर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता व टीम द्वारा मेसर्स लक्ष्मी डेयरी, ग्राम बेलबहरा, एन एच 43. जिला एमसीबी से दूध, मेसर्स पेड़ा भण्डार, गाँधी चौक, मनेन्द्रगढ़, से मिठाई-पेड़ा, मेसर्स जया डेयरी, भगत सिंह चौक, बस स्टैण्ड के पास, मनेन्द्रगढ़ से. दूध, मेसर्स यादव डेयरी, भगत सिंह चौक मनेन्द्रगढ़ से दूध एवं मेसर्स जैन खोवा भण्डार, पुराने चर्च के सामने, मनेन्द्रगढ़ से खोवा का विधिक नमूना जब्त कर परीक्षण तथा विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला कालीबाड़ी रायपुर भेजा गया है। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला कालीबाड़ी रायपुर से परीक्षण तथा विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

8 साल से गायब टीचर बर्खास्त

तीन बार नोटिस के बाद भी नहीं दिया जवाब, इन दो शिक्षकों के खिलाफ भी होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले में बिना सूचना के 8 साल से गायब टीचर को शिक्षा विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर आरपी आदित्य ने बर्खास्त कर दिया है। उनके खिलाफ एक्शन लेने के पहले उन्हें तीन बार नोटिस जारी कर पक्ष रखने का मौका दिया गया था। वहीं, आठ साल से गायब दो शिक्षकों के खिलाफ भी डीईओ को जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उसके बाद कार्रवाई करने की तैयारी चल रही है।

दरअसल, रेणुका राय बिल्हा विकासखंड के मिडिल स्कूल मटियारी में शिक्षक एलबी के पद पर कार्यरत थीं। वो 6 जून 2016 से बिना सूचना के कार्य से अनुपस्थित हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने उनकी अनुपस्थिति और जांच के लिए

समिति गठित की थी। इस दौरान जांच समिति ने समक्ष रेणुका राय को नोटिस जारी किया था। लेकिन, वो जांच समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुईं।

इसके बाद उन्हें 22 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के लिए मौका दिया गया। इसके बाद भी 8 साल से गायब टीचर रेणुका राय ने कोई जवाब नहीं दिया।

उन्हें पर्याप्त अवसर दिए जाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं आया, तब समिति ने उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी थी। तब बर्खास्तगी की कार्रवाई हुई।

दो टीचर के खिलाफ जांच के बाद होगी कार्रवाई: इसी तरह मस्तूरी ब्लॉक के मिडिल स्कूल जुनवानी में पदस्थ शिक्षक एलबी दिव्यनारायण रात्रे और श्यामसुंदर तिवारी शिक्षक एलबी भी आठ साल से गायब है। इस संबंध में दोनों टीचर के खिलाफ जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

विभाग के अफसरों ने बताया कि, दिव्य नारायण रात्रे के 24 जून 2016 से अनुपस्थिति है। वहीं, शिक्षक श्याम सुंदर तिवारी को बीमार बताया गया है। लिहाजा, उनका जिला मेडिकल बोर्ड के माध्यम से परीक्षण करा कर मेडिकल सर्टिफिकेट स्वस्थता संबंधी रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षिका को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति: वहीं, बिल्हा विकासखंड के मिडिल स्कूल में महमंद में पदस्थ शिक्षक एलबी केकती कौशिक ने जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से ज्वाइंट डायरेक्टर के समक्ष स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था। जिसमें उन्होंने पारिवारिक और स्वास्थ्यगत कारणों से काम करने में असमर्थता जताई है। उनके आवेदन को स्वीकार कर उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दी गई है।

दिल्ली कोचिंग हादसे की मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट सामने आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से हुई 3 छात्रों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट सामने आई है। बुधवार (7 अगस्त) को राजस्व मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में राउ आईएएस बेसमेंट के गलत ढंग से उपयोग के आरोप लगाए गए हैं। जांच में एमसीडी और फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट की लापरवाही भी सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग में हो रहे नियमों के उल्लंघन के बारे में एमसीडी और फायर बिग्रेड डिपार्टमेंट को पहले से जानकारी थी। इसके बाद भी विभागों की तरफ से कार्रवाई नहीं की गई। पिछले साल अगस्त में दिल्ली के मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगी थी। इस के बाद राउ आईएएस की बिल्डिंग के बेसमेंट को गलत ठहराया गया था। हालांकि, इसके बाद भी एमसीडी ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। इस साल 1 जुलाई को भी फायर बिग्रेड डिपार्टमेंट ने निरीक्षण किया था। इस रिपोर्ट में भी बेसमेंट में चल रही अवैध लाइब्रेरी की बात छिपाई गई। रिपोर्ट में कहा गया कि कोचिंग सेंटर निचले स्थान पर होने के कारण जलभराव की संभावना पहले से ही थी। इसके बावजूद एमसीडी ने बीते पांच सालों से नालों की सफाई नहीं की।

चुनाव आयोग की टीम जम्मू-कश्मीर पहुंची

श्रीनगर (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर इलेक्शन कमीशन की टीम आज जम्मू-कश्मीर पहुंची है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत 3 चुनाव आयुक्त रीजनल और नेशनल पार्टियों के साथ मीटिंग करेंगे। शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में होने वाली मीटिंग के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीढीपी, कांग्रेस और अन्य दलों के नेता पहुंचे हैं। इलेक्शन कमीशन की आज पुलिस अधिकारियों और सुरक्षाबलों के साथ भी बैठक होगी। 9 अगस्त को दोपहर 2:30 बजे इलेक्शन कमीशन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। इसी साल जून में चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा समेत जम्मू कश्मीर में वोटर लिस्ट अपडेट करने के आदेश जारी किए थे। इस काम को पूरा करने के लिए 20 अगस्त तक की डेडलाइन दी गई थी। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र शासित प्रदेश में 30 सितंबर 2024 तक चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा भी जल्द वापस दिया जाए। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म कर दिया गया था। साथ ही राज्य को 2 केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था। साथ ही स्पष्ट किया गया था कि जम्मू-कश्मीर में दिल्ली और पुदुचेरी की तरह उपराज्यपाल का शासन होगा, लेकिन विधानसभा के तहत जनता मुख्यमंत्री का निर्वाचन भी करेगी।

831 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एटीएस के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 800 करोड़ रुपए के करीब है। वहीं गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में भी कार्रवाई के दौरान 31 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ट्रामाडोल जब्त की गई है।

ऑस्ट्रिया में अमेरिकी गायिका टेलर स्विट के समारोह में हमले की बड़ी साजिश नाकाम

वियना (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया में अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के इस हफ्ते होने वाले तीन संगीत समारोह में रची गई हमले की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ इस साजिश का खुलासा होने के बाद टेल के कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस ने स्लामिक स्टेट समूह से संबंधित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय में जन सुरक्षा निदेशक फ्रांज रुफ ने बताया कि 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध के घर से रासायनिक पदार्थ और तकनीकी उपकरण मिले हैं। सरकारी प्रसारक 'ओआरएफ' के 'ओई1' कार्यक्रम में रुफ ने बृहस्पतिवार को कहा कि जांचकर्ता संदिग्ध के घर से जब्त किए गए सबूतों का मूल्यांकन कर रहे हैं।

रुफ ने बताया कि कुछ हफ्ते पहले 19 वर्षीय युवक ने इस्लामिक स्टेट समूह के मौजूदा सरगना के प्रति निष्ठा की शपथ इंटरनेट अकाउंट पर अपलोड की थी। हमले की साजिश में दूसरे 17 वर्षीय किशोर को स्टेडियम के पास से गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री गेरहार्ड कार्नर ने कहा कि अधिकारियों को दूसरे संदिग्ध के घर से इस्लामिक स्टेट समूह और अल-कायदा की सामग्री मिली। उन्होंने कहा कि हमले की

साजिश को लेकर कोई और संदिग्ध वांछित नहीं है। कार्नर ने बृहस्पतिवार को कहा, स्थिति गंभीर थी और है, लेकिन साथ ही हम कह सकते हैं कि त्रासदी को टाल दिया गया है। इससे पहले ऑस्ट्रिया के कई मीडिया संस्थानों ने बृहस्पतिवार को बताया कि अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है - जिसकी पुलिस ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की थी।

1 संदिग्ध ऑस्ट्रिया का ही नागरिक

ऑस्ट्रिया के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि दूसरा संदिग्ध 17 वर्षीय ऑस्ट्रिया का नागरिक है, जो तुर्किये और क्रोएशियाई मूल का है। उसे उस स्टेडियम के पास से विशेष पुलिस बलों ने गिरफ्तार किया जहां इस सप्ताह संगीत कार्यक्रम होने वाले थे। ऑस्ट्रियाई सुरक्षा अधिकारियों ने आरोप लगाया कि दोनों आरोपी स्टेडियम के बाहर हमला करना चाहते थे, तथा चाकू या स्वनिर्मित विस्फोटकों का उपयोग करके अधिक से अधिक लोगों को मारना चाहते थे। उन्होंने वियना में एक प्रेस वार्ता में पत्रकारों को बताया कि मुख्य संदिग्ध, उत्तरी मैसेडोनिया मूल का 19 वर्षीय ऑस्ट्रियाई नागरिक है और उसने हमले करने के लिए साजिश रचने का आरोप कबूल कर लिया है। उन्होंने कहा कि वह इस्लामिक स्टेट से जुड़ा कट्टरपंथी है और सोचता है कि काफिरों को मारना सही है।

कौन है दूसरा संदिग्ध

साजिश में गिरफ्तार दूसरे संदिग्ध को कुछ दिन पहले ही एक कंपनी ने काम पर रखा था जो संगीत समारोहों के दौरान कार्यक्रम स्थल पर सेवाएं प्रदान करती है। जांचकर्ताओं ने कहा कि उन्हें उसके घर से इस्लामिक स्टेट समूह और अल कायदा से संबंधित व्यापक सामग्री मिली है। बहरहाल स्विफ्ट के तीन कार्यक्रमों के वैश्विक तौर पर टिकट बिक चुके थे तथा कार्यक्रम के रद्द होने से उनके दुनिया भर में फैले प्रशंसकों को झटका लगा, क्योंकि कई तो हजारों यूरो खर्च करके ऑस्ट्रिया पहुंचे थे। 'एराज़ टूर' के कार्यक्रम बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को अर्न्स्ट हैप्पल स्टेडियम में होने थे। ऑस्ट्रिया के 'वाइस चांसलर' वेरनर कोगलेर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कार्यक्रम रद्द होने से स्विफ्ट के मायूस प्रशंसकों से माफी मांगी है।

ऑस्ट्रिया प्रेस एजेंसी की खबर के मुताबिक, रुफ ने कहा कि अधिकारियों को हमले की तैयारी के बारे में पता था, साथ ही 19 वर्षीय अपराधी का ध्यान वियना में टेलर स्विफ्ट के संगीत समारोह पर था।

वक्फ संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति को भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ कानून (संशोधन) बिल को केंद्र सरकार ने गुरुवार, 8 अगस्त को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया। इससे पहले, लोकसभा में इसे केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पेश किया था। चर्चा के दौरान उन्होंने बिल को जेपीसी के पास भेजने का भी प्रस्ताव रखा। इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसीपी (शरद पवार), एआईएमआईएम टीएमसी, सीपीआई ने विरोध किया था। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल राव ने कहा- सरकार कम्युनिटीज के बीच में विवाद पैदा करना चाहती है।

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, इस बिल को लाकर आप (केंद्र सरकार) देश को जोड़ने का नहीं, बल्कि बांटने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं। रिजीजू ने कहा कि कई विपक्षी सांसद इस बिल के सपोर्ट में हैं। अलग अलग आते हैं और सपोर्ट करते हैं, लेकिन पार्टी के कारण नही बोल सकते। इस पर अमित शाह ने बीच में बोला कि सांसदों का नाम नहीं बतानाज जिस पर सभी हंस पड़े। किरेज रिजिजू ने कहा- वक्फ एक्ट में पहले भी संशोधन हुए हैं। हम सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर बदलाव कर रहे हैं। इस कमेटी को आपने (कांग्रेस) ही बनाया था। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा।

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीआई नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार (8 अगस्त) को निधन हो गया। पूर्व सीएम ने 80 साल की उम्र में कोलकाता स्थित घर पर अंतिम सांस ली। बुद्धदेव बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित थे। उन्हें सांस लेने में भी दिक्कत थी। पिछले कुछ समय से उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। पिछले साल उन्हें निमोनिया भी हुआ था। लाइफ

सपोर्ट पर रहने के बाद वे ठीक हो गए थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं। भट्टाचार्य ने सीपीआइ की सरकार में 2000 से 2011 तक, 11 साल बंगाल सीएम का पद संभाला। 1977 से 2000 तक ज्योति बसु के नेतृत्व में सीपीआइ की सरकार थी। लगातार 34 साल सत्ता में रहने के बाद 2011 में तृणमूल कांग्रेस ने कम्युनिस्ट पार्टी को सत्ता से हटाया था। बुद्धदेव को पश्चिम बंगाल की औद्योगिक क्रांति के लिए जाना जाता है।

अजित बोले- सीएम पद मिलता तो पूरी एनसीपी ले आता

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने बुधवार (7 अगस्त) को कहा कि अगर भाजपा और शिवसेना ने उन्हें मुख्यमंत्री पद ऑफर किया होता तो वे पूरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को साथ ले आते। पवार ने यह भी कहा कि राजनीति में वे शिंदे और देवेंद्र फडणवीस दोनों से सीनियर हैं। अजित ने यह बात ष्टरूशिंदे की जीवनी योद्धा कर्मयोगी - एकनाथ संभाजी शिंदे के विमोचन के दौरान कही। ठाणे में हुए बुक लॉन्च इवेंट में सीएम शिंदे और देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। अजित पवार ने जुलाई 2023 में अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत की थी। जिसके बाद एनसीपी टूट गई और वे 40 विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) सरकार में शामिल हो गए। एनसीपी चीफ पवार अक्सर राज्य का मुख्यमंत्री बनने की अपनी तमन्ना जाहिर करते रहे हैं। इस बार उन्होंने कहा- फडणवीस पहली बार 1999 में और शिंदे 2004 में विधायक बने थे, जबकि मैं पहली बार 1990 में विधायक बन गया था। सभी आगे बढ़ गए और मैं पीछे रह गया फडणवीस ने दो बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं। पहली बार 2014 से 2019 तक और दूसरी बार 2019 में 72 घंटों के लिए जब अजित पवार ने अल्पकालिक गठबंधन सरकार में उनके साथ हाथ मिलाया था।

वायनाड लैंडस्लाइड में 138 लोग अब भी लापता

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में 29 जुलाई की देर रात हुए लैंडस्लाइड में अब भी 138 लोग अब भी लापता हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को लगातार 10वें दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे में अब तक 413 लोगों की मौत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10 अगस्त) को पीड़ितों से मिलने वायनाड जाएंगे। प्रधानमंत्री की स्पेशल फ्लाइट कन्नूर में उतरेगी। कन्नूर से पीएम हेलिकॉप्टर से लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद वह रिलीफ कैंप्स में पीड़ितों से मिलेंगे, जहां 10 हजार से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। मोदी के दौरे को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, कहा जा रहा है कि पीएम के दौरे के बाद वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा (लेवल-3 डिजास्टर) घोषित किया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार (7 अगस्त) को लोकसभा में इसकी मांग की थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी 1 अगस्त को वायनाड पहुंची थीं। यहां उन्होंने 2 दिन तक पीड़ितों से मुलाकात की। साथ ही दिल्ली में वायनाड लैंडस्लाइड का मुद्दा उठाने की बात कही थी। राहुल ने कहा था कि लैंडस्लाइड में केंद्रीय सहायता बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने वायनाड में पीड़ितों के लिए 100 से ज्यादा घर बनाने की भी घोषणा की थी।

राजस्थान के पाली में 15 गांव डूबे, 100 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लगभग सभी राज्यों में बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हुई है। गंगा, बागमती और कोसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कटिहार के बरारी में सुखाई घाट से मतलुधार के बीच 5 करोड़ की लागत से बन रहे ब्रिज का पिलर और ब्रिज बॉक्स गंगा में समा गया। हिमाचल प्रदेश के मंडी के 9 मील के पास देर रात 3 बजे चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। मलबे में एक ट्रक और पिकअप फंस गया। दोनों गाड़ियों के ड्राइवर ने भागकर जान बचाई। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान लगातार तेज बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे सहित 214 सड़कें बंद हैं। राजस्थान के पाली शहर में 15 गांव डूब गए हैं। अभी तक रेस्क्यू कर करीब 100 लोगों को बचाया गया है। यहां से 100 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के 9 जिलों में अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने गुरुवार (8

अगस्त) को 19 राज्यों में भारी बारिश की बात कही है। हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, ओडिशा, गोवा, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड में यलो अलर्ट है। राजस्थान के रेगिस्तान में लूणी नदी का पानी पहुंचा- राजस्थान में पिछले तीन दिन की बारिश के बाद सूखी पड़ी लूणी नदी में पानी भर गया।

बाग्लादेश में भारत का सख्त एक्शन, सभी भारतीय वीजा केंद्र अनिश्चित काल के लिए किए बंद

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद हिंसक घटनाएं और बढ़ गई हैं। देश में हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की जा रही है। यही नहीं राजधानी ढाका, चटगांव और कुलना समेत अन्य क्षेत्रों में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। महिलाओं पर भी हमले हुए है। इस बीच बांग्लादेश में भारतीय दूतावास ने तेजी से बदल रहे हालात के बीच बड़ा कदम उठाया है। भारत ने बांग्लादेश में एंबेसी का वीजा सेंटर अगले ऑर्डर तक बंद कर दिया। हिंसा को देखते हुए भारतीय दूतावास की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भारतीय वीजा आवेदन केंद्र ने घोषणा की है कि सभी केंद्र %अस्थिर स्थिति% के कारण अनिश्चित काल तक बंद रहेंगे, क्योंकि कई सप्ताह तक चले घातक विरोध प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटा दिया गया और अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जो आज होने की संभावना है।

बांग्लादेश के ऑनलाइन पोर्टल पर एक बयान में कहा गया है, अस्थिर स्थिति के कारण सभी अगली सूचना तक बंद रहेंगे। अगली आवेदन तिथि एसएमएस के माध्यम से सूचित की जाएगी और अनुरोध है कि पासपोर्ट अगले कार्य दिवस पर प्राप्त करें। भारत ने बांग्लादेश के भारतीय उच्चायोग और चटगाँव, राजशाही, खुलना और सिलहट में वाणिज्य दूतावासों में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम कर दी है और हिंसा प्रभावित देश से गैर-आवश्यक कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस बुला लिया है। हालाँकि, भारतीय उच्चायोग अभी भी कार्यरत है और वरिष्ठ राजनयिक और आवश्यक कर्मचारी देश में बने हुए हैं।

बिहार में पुल गिरने का थम रहा नहीं सिलसिला, कटिहार में निर्माणाधीन ब्रिज के दो पिलर नदी में बहे

पटना (एजेंसी)। बिहार के कटिहार जिले के बरारी प्रखंड क्षेत्र में गंगा नदी पर एक छोटे निर्माणाधीन पुल का हिस्सा बृहस्पतिवार को ढह गया। बिहार के ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्ल्यूडी) बकिया सुखाये पंचायत को कटिहार जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए इस छोटे पुल का निर्माण कर रहा है। इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कटिहार के जिलाधिकारी (डीएम) मनेश कुमार मीणा ने पत्रकारों से कहा कि यह घटना सुबह कटिहार जिले के बरारी प्रखंड में हुई और इस पुल का निर्माण हाल ही में शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण पुल पर दबाव बढ़ने से उसके दो खंभे ढह जाने की आशंका जताई और कहा कि मामले की जांच की जा रही है। बिहार के मंत्री और कटिहार जिले के प्रभारी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, इसे निर्माणाधीन पुल का गिरना कहना उचित नहीं है...

निर्माण हाल ही में शुरू हुआ... केवल दो खंभे ढहे हैं, जिनका निर्माण किया जा रहा था। सिंह ने कहा, बिहार में राजग सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि चालू या पूरी तरह से बने पुलों के ढहने पर अधिकारियों के साथ-साथ ठेकेदारों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र-गुजरात से 831 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एटीएस के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 800 करोड़ रुपए के करीब है। वहीं गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में भी कार्रवाई के दौरान 31 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ट्रामाडोल जब्त की गई है। 2018 में ट्रामाडोल ड्रग्स को भारत सरकार ने बैन कर दिया था। ड्रग के भारी मात्रा में टेरर ग्रुप तक सप्लाई होने की जानकारी के बाद यह फैसला लिया गया था। ट्रामाडोल को फाइटर ड्रग्स के नाम से भी जाना जाता है। इसका आतंकवादी लंबे समय तक जागने के लिए लेते हैं।

कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान एमपी के दतिया में चली गोली, एक युवक घायल, मचा हड़कंप

दतिया (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दतिया में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान गोली चलने से हड़कंप मच गया। यह प्रदर्शन एसपी दफ्तर के बाहर चल रहा था। इसी दौरान फायरिंग हो गई। गोली प्रदर्शन कर रहे एक युवक को लगी, जो गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जहां एसपी दफ्तर के बाहर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में हल्लाबोल कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। गोली चलने के बाद पुलिस ने बंदूक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के एसपी दफ्तर में ज्ञापन देने पहुंचे थे।

जैसे ही वे वहां से रवाना हुए उनके जाते ही युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष रामू गुर्जर पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली रामू गुर्जर के भाई के कान को छूते हुई गोली निकल गई।

कोर्ट से सीएम केजरीवाल को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संदर्भ में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इस मामले में तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किए गए केजरीवाल की जमानत के संबंध में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि को 20 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इस सुनवाई में केजरीवाल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के सामने पेश किया गया। इससे पहले, उन्हें लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान प्रचार के लिए जमानत दी गई थी, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद से वह तिहाड़ जेल में ही बने हुए हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने उन्हें तिहाड़ जेल से बाहर आने की अनुमति देने से इंकार कर दिया। इसके अलावा, सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी को अवैध बताने वाली याचिका और अंतरिम जमानत याचिका भी कोर्ट ने खारिज कर दी है। अदालत ने केजरीवाल को जमानत के लिए निचली अदालत में जाने की सलाह दी है। दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के बाद, अरविंद केजरीवाल अब इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। यह स्पष्ट हो गया है कि वह इस समय जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे, और उनकी कानूनी टीम इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाने की तैयारी कर रही है।

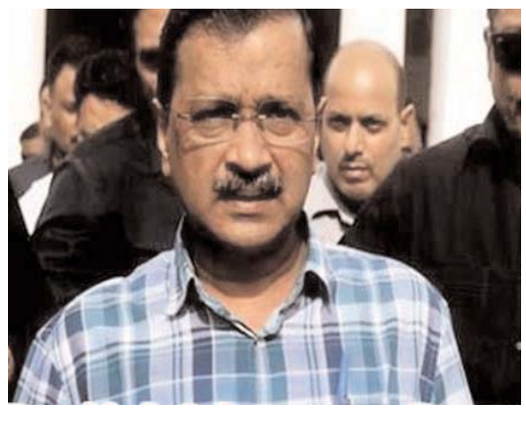

भारत में हो सकता है महिला टी20 वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश में होना था, लेकिन बांग्लादेश में हुए हालिया घटनाक्रमों ने आईसीसी को असमंजस में डाल दिया है। देश में आंतरिक अशांति ने अक्टूबर में होने वाले वैश्विक आयोजन की सुरक्षा को लेकर आईसीसी मुख्यालय दुबई में चिंता बढ़ा दी है। वहीं क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट की मेजबानी ले ली जाती है तो इसमें कुछ भी हैरान करने वाला नहीं होगा। देश में लंबे समय से कर्फ्यू है, इंटरनेट बंद होने के साथ-साथ दंगे, आगजनी और हिंसा हो रही है। आईसीसी एक सप्ताह में फैसला ले सकता है। अन्य विकल्पों में भारत एक मजबूत दावेदार है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने और देश छोड़ने के बाद आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा कि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड उनकी सुरक्षा एजेंसियों और अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ समन्वय में आईसीसी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। हमारी प्राथमिकता सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई है। साथ ही दस टीमों को 3 से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश के ढाका में शेरे बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट में सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 18 दिनों में 23 मैच खेलने हैं।लेकिन मौजूदा हालात को देखकर टूर्नामेंट का आयोजन मुश्किल लग रहा है। आईसीसी टूर्नामेंट के लिए बांग्लादेश के टाइम जोन वाला देश चुन सकता है।

अगर हमें खिलाड़ियों को चुनने के मामले में कुछ अलग करने की जरूरत पड़ी तो हम ऐसा करेंगे- रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों का सामना करने की कोशिश करते समय उनके खिलाड़ी 'लगातार पर्याप्त बहादुरी नहीं' दिखा पाए और उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा हुआ तो वे विशिष्ट परिस्थितियों के लिए विशेष खिलाड़ियों को चुनने से पीछे नहीं हटेंगे। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच टाई किया लेकिन अगले दो मैचों में भारतीय बल्लेबाजों श्रीलंका के स्पिन आक्रमण के सामने घुटने टेक दिए। रोहित ने बिना किसी संकोच के कहा, ''हमें यह सोचने की जरूरत है कि कौन से खिलाड़ी इस तरह की पिचों पर खेल सकते हैं, लेकिन आपको लगातार मौके देने की भी जरूरत है क्योंकि एक या दो मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं है। यह एक खराब श्रृंखला रही और हमें इसे स्वीकार करना होगा।' ' बुधवार को तीसरे वनडे में 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रन पर आउट होने के बाद कप्तान ने कहा, ''हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमने कहां गलतियां कीं। हम स्पिनरों के खिलाफ अधिक दृढ़ निश्चय और आक्रामकता नहीं दिखा सके और उन्होंने हम पर लगातार दबाव बनाया।'' भारतीय टीम में जिस चीज की कमी थी, वह थी खिलाड़ियों की व्यक्तिगत योजनाएं। रोहित ने कहा, ''यह व्यक्तिगत योजनाओं के बारे में है।

भारत ने गंवाई वनडे सीरीज, श्रीलंका ने 2-0 से बुरी तरह हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका ने भारत को वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में 110 रनों के बड़े अंतर से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है। श्रीलंका ने इस जीत के साथ सीरीज पर 2-0 से कब्जा किया। श्रीलंका ने भारत को दूसरे मैच भी हराया था। जबकि पहला वनडे टाई हो गया था। श्रीलंका ने कोलंबो में बुधवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए 248 रन बनाए थे। जिसके जवाब में टीम इंडिया 138 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने 27 सालों बाद भारत को द्विपक्षीय वनडे सीरीज में हराया है। भारत के लिए रोहित शर्मा ने 35 रनों की पारी खेली। जबकि वाशिंगटन सुंदर 30 रन बनाकर आउट हुए। जबकि विराट कोहली के बल्ले से महज 20 रन और रियान पराग 15 बनाकर लौटे। श्रीलंका के लिए दुनिथ वेल्लालगे ने 5 विकेट झटके। उन्होंने 5.1 ओवरों में 2 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। थीक्षणा और वैंडर्से ने 2-2 विकेट झटके। इस दौरान भारत के अधिकतर बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। रोहित शर्म ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने 20 गेंदों में 35 रन बनाए, इस दौरान 6 चौके और 1 छक्का लगाया। शुभमन गिल 6 रन बनाकर आउट हो गए। विराट कोहली 20 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत महज 6 रन ही बना सके और श्रेयस अय्यर के बल्ले से तो 8 रन निकले। अक्षर पटेल 2 और रियान पराग 15 रन बनाकर आउट हुए।

मुंबई के लिए बुची बाबू टूर्नामेंट का एक मैच खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस साल आगामी बुची बाबू बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई के लिए एक मैच खेलने की पुष्टि की है। सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश के लिए खेले जाने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। टेस्ट विशेषज्ञ सरफराज खान को मुंबई की टीम का कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार सभी प्रारूपों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और भारतीय खिलाड़ी अभी ब्रेक पर होंगे क्योंकि उन्हें अगली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं और वह जब भी वह फ्री रहते हैं तो मुंबई के लिए उपलब्ध रहे हैं। वह रणजी ट्राफी के अलावा बुची बाबू, केएससीए (गोल्ड कप) में खेलेंगे ताकि टीम के युवाओं कों प्रेरित कर सकें।

भूपेन्द्र हुड्डा बोले, विनेश को राज्यसभा भेजा जाना चाहिए, बबीता फोगाट का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान विनेश फोगाट द्वारा पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उनके संन्यास की घोषणा के बाद नई दिल्ली में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इसके पीछे साजिश का संकेत दिया है और उसके कुछ नेताओं ने मांग की है कि पहलवान को राज्यसभा में मनोनीत किया जाना चाहिए। इसके बाद, विनेश की बहन बबीता फोगट ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई कांग्रेस से सीखे कि आपदा में राजनीतिक अवसर कैसे तलाशे जाते हैं। यह बयान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और उनके पिता एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा यह कहे जाने के बाद आया है कि विनेश फोगट को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया जाना चाहिए और कहा कि यदि पार्टी के पास राज्य विधानसभा में संख्या बल होता तो वह अब तक ऐसा कर चुकी होती। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बबीता फोगाट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, आपदा में राजनीतिक अवसर ढूंढना कोई कांग्रेस से सीखे। एक तरफ देश और विनेश ओलंपिक से अयोग्य घोषित होने के सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं और दूसरी तरफ दीपेंद्र जी, आप और आपके पिताजी विनेश की हार पर राजनीति करने लगे हैं। इसे शर्मनाक बताते हुए उन्होंने कहा, विनेश चैंपियनों की चैंपियन हैं और कांग्रेस पार्टी राजनीति की चैंपियन है, जिसे खिलाड़ियों के दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता। यह बहुत चिंताजनक है! कांग्रेस नेताओं के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विनेश फोगट के चाचा महावीर फोगट ने भी पार्टी पर निशाना साधा और उनके इस कदम को %राजनीतिक स्टंट% बताया। महावीर फोगट ने पूछा, आज भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अगर वे कर सकते तो विनेश को राज्यसभा भेजते। जब उनकी सरकार थी तो उन्होंने गीता फोगट को क्यों नहीं भेजा?% उन्होंने कहा कि गीता फोगाट ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार जब सत्ता में थी।

विनेश ने ओलंपिक से अयोग्य घोषित किए जाने के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक की महिला कुश्ती के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए। भारतीय दल में शामिल भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एक सूत्र ने पीटीआई से इस बात की पुष्टि की। सूत्र ने कहा, ''हां हमें इस बारे में पता चला है। यह उनकी टीम द्वारा किया गया है।''

ओलंपिक खेलों के दौरान या उद्घाटन समारोह से पहले 10 दिनों की अवधि के दौरान उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के मध्यस्थता द्वारा समाधान के लिए यहां खेल पंचाट के एक तदर्थ विभाग को स्थापित किया गया है। इस मामले की सुनवाई गुरुवार सुबह होगी। सेमीफाइनल में विनेश से हारने वाली क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज ने फाइनल में उनकी जगह ली है।

रियान पराग ने डेब्यू मैच में कमाल, श्रीलंका के खिलाफ दिखाया गेंदबाजी का दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया इस मैच में श्रीलंका की टीम ने अविष्का फर्नान्डो के 96 रन जबकि कुसल मेंडिस की 59 रन की पारी के दम पर 50 ओवर में 7 विकेट पर 248 रन बनाए। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने 6 गेंदबाजों को इस्तेमाल किया। लेकिन इनमें सबसे सफल रियान पराग रहे जिन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट झटके। रियान पराग को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। ये उनके क्रिकेट करियर का डेब्यू वनडे मुकाबला था और वह कप्तान रोहित शर्मा की उम्मीदों पर खरे उतरे। इस मैच में कप्तान रोहित ने 6 गेंदबाजों को आयमाया जिसमें सबसे सफल गेंदबाज रियान पराग ही रहे जिन्होंने 9 ओवर में 54 रन देकर 3 विकेट झटके।

विनेश फोगाट के ये रिकॉर्ड हमेशा रहेंगे याद, कुश्ती के दंगल में बनाए शानदार कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक में डिसक्वालिफाई होने के बाद विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। भले ही उन्होंने आवेश में आकर ये फैसला लिया है मगर वो कई ऐसी कीर्तिमान बना गई है जिन्हें आने वाले कई वर्षों तक याद रखा जाएगा। महिला पहलवानों के लिए इन रिकॉर्ड को तोड़ना बेहद मुश्किल है। विनेश फोगाट भले ही मेडल ना जीत सकी हों मगर वो देश के बेहतरीन पहलवानों की सूची में शीर्ष पर जरुर काबिज है। बता दें कि विनेश फोगाट सबसे पहले रडियो ओलंपिक 2016 में दिखी थी। इसके बाद उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा विनेश की झोली में कुल तीन कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल है। इसके अलावा वो दो वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ड मेडल जीत चुकी है। एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया। वह 2021 में एशियाई चैंपियन भी रहीं। वह अपनी चचेरी बहन गीता फोगट और बबीता कुमारी के पदचिन्हों पर चलती हैं और वह एक प्रसिद्ध कुश्ती परिवार से ताल्लुक रखती हैं तथा उनके चाचा महावीर सिंह फोगट ने उन्हें बहुत कम उम्र में ही इस खेल से परिचित कराया था।

शानदार जूनियर करियर के बाद, विनेश ने 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता, जिसमें उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इस्तांबुल में ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट जीतकर रियो 2016 के लिए अपना कोटा स्थान पक्का कर लिया। लेकिन रियो में, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद, पदक जीतने का उनका सपना टूट गया, क्योंकि मुकाबले के बीच में ही उनका दाहिना घुटना उखड़ गया।

विनेश फोगाट के संन्यास के बाद साक्षी मालिक का आया बयान, कहा तुम नहीं हारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां देश को नीरज चोपड़ा से आज गोल्ड मेडल की उम्मीद है वहीं दूसरी ओर पूरा देश विनेश फोगाट के संन्यास लेने से दुखी है। पूरा देश विनेश सामने आई परिस्थिति से जूझ रहा है। विनेश के संन्यास लेने के बाद रियो ओलंपिक में देश को ब्रोंज मेडल जीताने वाली साक्षी मालिक का बयान भी सामने आया है।

उन्होंने कहा कि विनेश तुम हारी नहीं हो। हर वो बेटी हारी हाई जिसके लिए तुम लड़ी और जीती हो। ये देश की हार है और देश तुम्हारे साथ खड़ा है। खिलाड़ी के तौर पे उनके संघर्ष और जज्बे को सलाम। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अयोग्य ठहराये जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को

अलविदा कहने की घोषणा की और कहा कि अब आगे खेलने की ताकत नहीं है। विनेश को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उन्होंने 'एक्स' पर संन्यास की घोषणा की। अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, ''मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। '' दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''अलविदा कुश्ती 2001-2024। मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी। मुझे माफ कर दीजिए। बता दें कि विनेश फोगाट ने ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था। सुबह तक उनका कम से कम सिल्वर मेडल पक्का लग रहा था लेकिन महज 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण वह ओलंपिक्स से बाहर हो गईं। पीएम नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया। पीएम मोदी ने ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से विनेश से जुड़ी पूरी जानकारी ली साथ ही कई अन्य विकल्पों के बारे में भी पूछा। इससे पहले पीएम मोदी ने ङ्क पर लिखा कि, विनेश आप चैंपियनों की चैंपियन हो। आप भारत का गौरव हो और हर भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत हो। आज के झटके से दुख पहुंचा है, काश मैं शब्दों में बता पाता कि इस समय कितना मायूस हूं, लेकिन मुझे पता है कि आप फिर वापसी करेंगी। चुनौतियों का डटकर सामना करना आपके स्वभाव में है। मजबूती से वापसी करो हम सभी आपके साथ हैं।

सतना स्मार्ट सिटी में कुत्ते पकड़ेगा नगर निगम

कराएगा उनका बधियाकरण- वैक्सीनेशन, खर्च होंगे 40 लाख

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्मार्ट सिटी के नाम पर शहरियों को दुर्दशा और बदहाली दंश झेलवाने तथा विकास के नाम पर पूरे शहर को गढढ़ों में तब्दील कर देने में करोड़ों रुपए पानी में बहा देने के बाद अब सतना नगर निगम कुत्तों पर भी मोटी रकम खर्च करेगा।

सतना नगर निगम अब सतना शहर में सड़क पर घूमने वाले कुत्ते पकड़वायेगा। उनका बधियाकरण कराएगा और उन्हें टीके भी लगवाएगा। नगर निगम ने इसके लिए बाकायदा टेंडर भी जारी किया है। टेंडर की रकम भी छोटी नहीं है बल्कि निगम ने इस काम के लिए 40 लाख रुपए खर्च करने की योजना बनाई है।

हालांकि यह कोई नई बात नहीं है लेकिन हमेशा से नगर निगम के पास कुत्ते पकड़वाने की जिम्मेदारी रही है, बावजूद इसके पहले भी कभी इस पर काम नहीं किया गया। निगम के पास ऐसे कोई आंकड़े भी नहीं है जिससे सड़क पर घूमने वाले कुत्तों की सही सटीक संख्या बताई जा सके। लेकिन अब जब स्मार्ट सिटी के फंड की बर्बादी का दौर सतना में जोरों पर है तो कुत्तों के नाम पर भी 40 लाख रुपए खर्च करने की तैयारी कर डाली गई है।

सूत्रों का कहना है कि कभी कोई यह जान ही नहीं पाएगा कि कितने कुत्तों का बधियाकरण किया गया और कितनों का वैक्सीनेशन कर दिया गया और इसी बीच कुछ दिनों में 40 लाख का काम पूरा हो गया मान लिया जाएगा।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश की मोहन यादव ने डॉग बाइटिंग की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर कुत्तों को पकड़ने के लिए एक कमेटी बनाई है और 7 आईएएस अफसरों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। सतना में इसी व्यवस्था को आधार बना कर 40 लाख की मोटी रकम खर्च करने का प्लान तैयार कर लिया गया है।

ग्राम पंचायत पोडी में जन समस्या निवारण शिविर का किया गया आयोजन

ग्राम पंचायत पोड़ी में आये 55 आवेदनों पर हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में राजस्व एवं अन्य समस्त विभागों से संबंधित मैदानी स्तर पर लंबित कार्यों, शिकायतों एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए तीनों विकासखण्ड की क्लस्टर ग्राम पंचायतों में शिविर लगाये गये हैं। मैहर जिले के ग्राम पंचायत पोड़ी में गुरूवार को जनसुवाई का आयोजित की गई। इस दौरान एसडीएम मैहर विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल सहित जनपद पंचायत एवं राजस्व के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान ग्राम पंचायत पोड़ी में 55 आवेदन आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किये गय। जिसमें आवेदक रामलखन शर्मा एवं पुष्पेंद्र पटेल ने गरीबी रेखा में नाम तथा ज्वाला प्रसाद ने समग्र आईडी में मोबाइल नंबर जोड़ने के आवेदन प्रस्तुत किये गये। इसी प्रकार महेंद्र पाठक ने नाली के ऊपर अवैध अतिक्रमण को हटाने, संतोष कुमार वर्मा ने अधिक बिजली बिल आने के प्रकरण शिविर में दिये गये। साथ ही रमेश चौधरी ने सीमांकन और नकल निकलवाने, श्री कुमार गुप्ता ने नाली निर्माण और स्ट्रीट लाइट लगाने, सूरज कुमार पटेल ने शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि दिलाने एवं सरपंच ग्राम धतूरा ने ग्राम बुडा पुरानी प्राथमिक शाला जर्जर भवन को गिराने के संबंध में शिकायती आवेदन प्राप्त किए गए। इन आवेदनों पर एसडीएम मैहर विकास सिंह और तहसीलदार जितेंद्र पटेल ग्राम बुडा प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया गया। जहा पर भवन में छत का प्लास्टर झड़ने की समस्या थी। जिसका निराकरण करते हुए क्षतिग्रस्त कमरों में कक्षा लगाने पर प्राचार्य को मना किया गया और संबंधित विभाग को छत की मरम्मत करने के निर्देश दिए। इसी तरह विभिन्न आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए संबंधित विभाग को निराकरण करने के निर्देश दिए।

शहर की 3 शराब दुकानों का लायसेंस एक दिन के लिए निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना नगर की 3 मदिरा दुकानों में अधिक दर पर मदिरा का विक्रय करने पर कलेक्टर अनुराग वर्मा ने तीनों मदिरा दुकानों का लायसेंस एक दिवस के लिए निलंबित कर दिया है। इनमें सेमरिया चौक, मिन्धी कैंप एवं टिकुरिया टोला की शराब दुकानें शामिल हैं। जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम ने बताया कि इन तीनों दुकानों में अधिकतम दरों से भी अधिक पर मदिरा विक्रय की शिकायत प्राप्त हुई थी। आबकारी विभाग द्वारा इन दुकानों से मदिरा की खरीदी की जाकर शिकायत पुष्ट पाये जाने पर प्रकरण कायम किया गया। इन्हीं शिकायतों के आधार पर 8 अगस्त 2024 को कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 31 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तीनो मदिरा दुकानों का लायसेंस एक दिवस अर्थात 9 अगस्त 2024 तक के लिए निलंबित किया गया है। साथ ही मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 39 बी एवं 39 सी के अनुसार तीनों दुकानों के प्रत्येक लायसेंसियों पर 10 हजार रुपये शास्ति अधिरोपित करने का आदेश जारी किया गया है। कंपोजिट मदिरा दुकान सेमरिया चौक, सिन्धी कैम्प तथा टिकुरिया टोला 8 अगस्त को शील बंद करते हुए मदिरा विक्रय नहीं करने के निर्देश संबंधित लायसेंसियों को दिये गये है।

मैहर जिले में अब तक 664.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 8 अगस्त 2024 तक 664.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 689 मि.मी., मैहर में 636.3 मि.मी. एवं रामनगर में 667.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 362.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

पत्नी के हत्यारे को उम्र कैद

शराब के नशे में पीट-पीट कर मार डाला था

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। दो साल पहले अमरपाटन में हुई महिला की नृशंस हत्या के मामले में अदालत ने मृतका के पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियुक्त पर 5 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया है। अपर सत्र न्यायालय अमरपाटन ने 22 अप्रैल 2022 की रात हुई राजकुमारी प्रजापति पत्नी शोभनाथ प्रजापति की हत्या के मामले में मृतका के पति शोभनाथ प्रजापति को दोषी करार दिया है। अदालत ने अभियुक्त शोभनाथ को उम्र कैद की सजा और 5 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। प्रकरण में राज्य शासन की तरफ से एडीपीओ अजय कुमार सिंह ने पैरवी की।

अभियोजन के अनुसार, अभियुक्त शोभनाथ प्रजापति ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी से उसे एक पुत्र एक पुत्री थे जो अपने बाबा कुलिया प्रजापति यानी शोभनाथ के पिता के साथ गांव में रहते थे। शोभनाथ अपनी दूसरी पत्नी राजकुमारी और ढाई वर्ष की बेटी के साथ अलग रहता था। शोभनाथ शराब के नशे का आदी था और नशे में अक्सर विवाद करता था।

राजकुमारी भी उससे पहली पत्नी के बच्चों को लेकर झगड़ा करती थी। विगत 22 अप्रैल को वह ईंट भट्ठे से काम कर के लौटा और राजकुमारी को खाना बनाने के लिए कह कर गांव तरफ चला गया। रात लगभग 11 बजे वह नशे में धुत्त होकर लौटा राजकुमारी से उसका झगड़ा शुरू हो गया। उसने राजकुमारी को रात भर लात-घूंसों और चप्पल से तो मारा ही,पटक पटक कर भी उसकी पिटाई की।

उसे बेहोश हुआ समझ कर सो गया। सुबह जब उसकी नींद खुली तो उसने राजकुमारी को मृत पाया और घर के बाहर बैठ कर रोने लगा। जब उसके परिजन तथा अन्य लोग पहुंचे तो उसने बताया कि उसने रात में मारपीट की थी जिससे राजकुमारी की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पीएम कराया तो पता चला कि मृतका के सिर और पसलियों की हड्डियां टूट गई थीं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण अदालत में पेश किया। जहां विचारण के दौरान गवाह पक्ष-द्रोही हो गए। प्रत्यक्षदर्शी कोई था नहीं। लिहाजा अभियोजन ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण को प्रमाणित किया।

विमर्श पोर्टल से शिक्षा की गुणवत्ता में अकादमिक दृष्टि से की जा रही है वृद्धि

स्कूल शिक्षा विभाग संचालित कर रहा है पोर्टल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विद्यालयों को अकादमिक दृष्टि से सुदृढ़ करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। यह प्लेटफार्म विमर्श पोर्टल के नाम से संचालित हो रहा है।

विमर्श पोर्टल पर संभाग, जिला, विकासखंड और विद्यालयों में लॉगइन उपलब्ध कराया गया है। पोर्टल के माध्यम से स्कूल शिक्षा व्यवस्था की सतत् मॉनिटरिंग की जा रही है। पोर्टल पर विद्यार्थियों का विषयवार नामांकन, ब्रिज कोर्स, स्कूल इन्फ्रास्ट्रकचर से संबंधित जानकारी, विषय मान से अध्ययन कराने वाले शिक्षकों की जानकारी, प्राचार्यों की जानकारी और स्कूल के परीक्षा परिणाम को पोर्टल पर दर्ज किया जा रहा है। इस व्यवस्था से परीक्षा परिणाम का विश्लेषण भी किया जा रहा है। इसके साथ ही शासकीय शालाओं में पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा भेजी गयी पुस्तकों का विवरण भी दर्ज किया जा रहा है।

विमर्श पोर्टल की अकादमिक मॉनिटरिंग प्रणाली में संभाग एवं जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक माह में की गई विद्यालयों की मॉनिटरिंग की जानकारी दर्ज की जा रही है।

विमर्श के यू-ट्यूब चैनल पर विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के वीडियो लेकर टिप्स एंड ट्रिक्स आधारित वीडियो एवं ऑनलाइन पठन-पाठन के लिये विभिन्न विषयों के वीडियो, पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिये परीक्षा से संबंधित जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। पोर्टल पर विद्यार्थियों के लिये व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं ऊर्दू माध्यम की पाठ्य पुस्तकें भी अपलोड की गई हैं। विद्यार्थी को करियर गाइडेंस और काउन्सलिंग में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया। 'उमंग' जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम के को ऑनलाइन किया गया है।

मुख्यमंत्री 10 अगस्त को सिंगल क्लिक से लाडली बहनों के खाते में जारी करेंगे राशि

समस्त वार्ड और ग्राम स्तर पर आयोजित होंगे कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अगस्त को श्योपुर जिले के विजय नगर के राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश भर की लाडली बहनों को अगस्त माह की मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की मासिक किश्त और रक्षाबंधन के अवसर पर 250 रूपये की अतिरिक्त राशि खाते में सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से आयोजित होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के मुख्य स्थल सहित नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाया जायेगा। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने आयुक्त नगर निगम, जनपद के सीईओ तथा सीएमओ, नगर पालिका को अपने-अपने क्षेत्र में शासन के निर्देशानुसार कार्यक्रम को उत्सव के रूप में आयोजित करने के निर्देश दिये है।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का रक्षाबंधन के उत्सव की थीम पर मनाया जाने वाला जिला स्तरीय कार्यक्रम सतना के टाउन हाल में आयोजित किया जायेगा। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल पर लाडली बहना योजना की हितग्राही, लाडली बहना सेना, स्वयं सहायता समूह की महिलायें, लाडली लक्ष्मी योजना की 15 वर्ष से अधिक आयु की बालिकायें विशेष रूप से सम्मिलित होंगी। कलेक्टर ने कहा कि यह कार्यक्रम नगरीय निकायों के समस्त वार्ड, ग्राम स्तर पर आयोजित किये जायें। जिनमें चयनित स्थानों के कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी। राज्य स्तर से प्रसारित होने वाले राशि अंतरण कार्यक्रमों को प्रत्येक ग्राम, ग्राम पंचायत, कार्यालय, नगरीय निकाय के वार्डों में सीधा प्रसारण दिखाने की समुचित व्यवस्था की जायेगी।

कार्यक्रम स्थल पर बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाये। राज्य स्तर के कार्यक्रम के पूर्व ग्राम पंचायत वार्ड/स्तर के कार्यक्रमों में महिला सशक्तीकरण थीम पर रंगोली, लोक नृत्य, लोकगीत, सावन गीत, नुक्कड नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक स्थानीय कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। सभी कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी।

इसी प्रकार नगरीय निकाय के वार्ड स्तर के कार्यक्रमों को उत्सव का व्यापक रूप देने के लिये सभी जनप्रतिनिधियों, लाड़ली बहना सेना के सदस्यों, जनसेवा मित्र, पेसा मोबिलाइजर, जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियों, अन्त्योदय समितियों, महिला स्वसहायता समूहों, स्वच्छता दूतों, किसान मित्र, सहयोगिनी मातृ समितियों, शौर्यादल के सदस्यों एवं स्वयंसेवी संगठनों की प्रत्येक स्तर पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

स्थानीय स्तर पर आयोजित होने वाले समस्त सांस्कृतिक कार्यक्रम/उत्सव, राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम के प्रारम्भ होने के 1 घण्टा पूर्व आयोजित कर लिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण प्रत्येक ग्राम/नगरीय निकाय के वार्ड में उपस्थित लाभार्थी बहनों एवं आमंत्रित जनप्रतिनिधियों को दिखाया जाना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये है।

कलेक्टर ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर रानी बाटड ने गुरूवार को मैहर एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में पढ़ाई और शासन द्वारा मिलने वाली आवश्यक सामग्री और सुविधा से संबंध में छात्र-छात्राओं से चर्चा की। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए विद्यालय के दस्तावेजों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने निर्धारित भोजन मीनू के आधार पर छात्रों को भोजन नही दिए जाने पर प्राचार्य पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्था को सुधारने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर परएसडीएम मैहर विकास सिंह उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर सतना-रीवा रेल यात्रियों को मिली सौगात

रीवा से रानी कमलापति स्टेशन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना-रीवा के रेल यात्रियों को रेलवे ने रक्षा-बंधन पर स्पेशल ट्रेन की सौगात दी है। ये स्पेशल ट्रेन रीवा से भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन के बीच चलेगी।

ट्रेन संख्या 02190 रीवा-रानीकमलापति सुपरफास्ट रक्षाबंधन स्पेशल 17 अगस्त शनिवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान करेगी। सतना, मैहर और कटनी स्टेशन से होते हुए ये स्पेशल ट्रेन शाम 6:45 बजे बीना 7:50 बजे विदिशा और रात 9:15 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार ट्रेन 02189 रानी कमलापति-रीवा सुपर फास्ट रक्षा बंधन स्पेशल 17 अगस्त शनिवार को रानी कमलापति स्टेशन से रात 10:15 बजे प्रस्थान करेगी। रक्षा बंधन स्पेशल रात 11:08 बजे विदिशा, रात 12.20 बजे बीना पहुंचेगी। कटनी, मैहर और सतना होते हुए ये गाड़ी सुबह 07:20 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव: यह स्पेशल ट्रेन सफर के दौरान दोनों दिशाओं में सतना, मैहर, कटनी, मुडवारा, दमोह, सागर, बीना और विदिशा स्टेशनों पर ठहराव लेकर चलेगी।

अल्ट्राटेक लाइमस्टोन माइन को भारतीय खान ब्यूरो और खान मंत्रालय से मिली 5 स्टार रेटिंग

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारतीय खनिज ब्यूरो ने अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की 12 लाइमस्टोन माइन को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 5 स्टार रेटिंग दी है। यह अवार्ड कोयला व खनिज मंत्री द्वारा दिल्ली में 7 अगस्त 2024 को दिया गया। जिन 12 खदानों को 5 स्टार रेटिंग मिली है, उनमें भदनपुर और पिपराहट लाइमस्टोन माइन भी शामिल है। जो मध्य प्रदेश के सतना जिले में अल्ट्राटेक की एकीकृत इकाई मैहर सीमेंट वर्क्स का हिस्सा हैं। यह लगातार दूसरी बार है जब भदनपुर और पिपराहाट लाइमस्टोन माइन को 5-स्टार रेटिंग मिली है।

कार्यक्रम में माननीय जी. किशन रेड्डी कोयला और खान मंत्री ने भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) कंपनी अल्ट्राटेक को सम्मानित किया। यह सम्मान भारत के खनन क्षेत्र में योगदान देने और खनन के सभी पहलुओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए दिया गया है। सम्मान समारोह में माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे भी उपस्थित थे।

खनन में उत्कृष्टता लाने के लिए अल्ट्राटेक के प्रयास भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी खनन (सस्टेनेबल माइनिंग), कुशल संचालन और प्रौद्योगिकी-संचालित खनिज प्रसंस्करण के लक्ष्यों के अनुरूप हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अल्ट्राटेक को खानों की सभी श्रेणियों (लाइमस्टोन, लौह अयस्क, बॉक्साइट, सीसा जस्ता, मैंगनीज) में सबसे अधिक खदानों के लिए 5-स्टार रेटिंग दिए जाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

खान मंत्रालय द्वारा तैयार की गई स्टार रेटिंग सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और स्थाई विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने पर आधारित है। रेटिंग योजना में सबसे उच्च 5-स्टार रेटिंग उन खदानों को दी जाती है जिन्होंने वैज्ञानिक और कुशल खनन, अनुमोदित उत्पादन का अनुपालन, जीरो वेस्ट, पर्यावरण संरक्षण, प्रगतिशील और अंतिम खदान बंद करने के लिए उठाए गए कदम, ग्रीन एनर्जी सोर्सिंग, भूमि, अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाना, समुदायों के जुड़ाव और कल्याण कार्यक्रम, स्थानीय पुनर्वास और अन्य सामाजिक प्रभावों जैसे मापदंडों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

नीचे 5 स्तर रेटिंग पाने वाली अल्ट्राटेक की खदानों की सूची दी गई है।

यूनिट यूनिट से अटैच्ड माइन

आदित्य सीमेंट वर्क्स आदित्य चूना-पत्थर खदान

आंध्र प्रदेश सीमेंट वर्क्स तुम्मालपेंटा चूना-पत्थर खदान

अवरपुर सीमेंट वर्क्स नाओकरी चूना-पत्थर खदान

बागा सीमेंट वर्क्स बागा-भलग चूना-पत्थर और शेल खदान

धार सीमेंट वर्क्स सीतापुरी चूना-पत्थर खदान

गुजरात सीमेंट वर्क्स कोवाया चूना-पत्थर खदान

हिरमी सीमेंट वर्क्स परस्वानी चूना-पत्थर खदान

नर्मदा-जफराबाद सीमेंट वर्क्स नर्मदा सीमेंट खदान

मैहर सीमेंट वर्क्स भदनपुर एवं पिपराहाट चूना पत्थर खदान

मानिकगढ़ सीमेंट वर्क्स मानिकगढ़ सीमेंट चूना पत्थर खदान

राजसीमेंट वर्क्स राजसीमेंट खदान

सेवाग्राम सीमेंट वर्क्स हरुडी-खरै चूना पत्थर खदान

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के बारे में

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड अदित्य बिड़ला ग्रुप के सीमेंट व्यवसाय की प्रमुख कंपनी है। अल्ट्राटेक एक 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर की बिल्डिंग सॉल्यूशंस कंपनी है, जो चीन के बाहर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक कंपनी है। अल्ट्राटेक ने जीसीसीए क्लाइमेट एम्बिशन 2050 पर हस्ताक्षर किए हैं और नेट जीरो कंक्रीट रोडमैप के लिए प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर ने की स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 योजना अंतर्गत तैयार किए जा रहे विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय समीक्षा और निगरानी समिति की बैठक का आयोजन गुरुवार को कलेक्टर कक्ष में कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।